

शिव आनंदपाणि



सशक्तिकरण एवं सामाजिक सेवाओं का दर्पण

वर्ष 07 अंक 04 हिन्दी (मासिक) अप्रैल 2019 सिरोही पृष्ठ 16 मूल्य ₹ 9.50

15



05

किसी भी समस्या का संपूर्ण समाधान....

14

जब आपसी नतमेद समाप्त होगा, तभी..

“ब्रह्माकुमारीज के विश्वभर के सेवाकेंद्रों पर धूमधाम से मनाया गया 83वां शिव जयंती महोत्सव

महाशिवरात्रि पर आठ लाख से ज्यादा लोगों ने बुराइयों से मुक्त होने का लिया संकल्प

8000

से ज्यादा कार्यक्रम देशभर में

800000

लाख लोग हुए शामिल

शिव आनंदपाणि आबूरोड। महाशिवरात्रि पर्व ब्रह्माकुमारीज संस्थान द्वारा 83वां शिव जयंती महोत्सव के रूप में विश्वभर के सेवाकेंद्रों पर मनाया गया। इसके तहत सेवाकेंद्र से लेकर उपसेवाकेंद्र, जीता पाठशाला और तपस्वी ब्रह्माकुमार भाई- बहनों के घर पर शिव ध्वजारोहण किया गया। विश्वभर में हुए कार्यक्रमों में आठ लाख से अधिक लोगों ने शिव ध्वज के नीचे बुराइयों से मुक्त होने, सद्गुण अपनाने और श्रेष्ठ भारत निर्माण का संकल्प लिया।

ये चले कार्यक्रम....

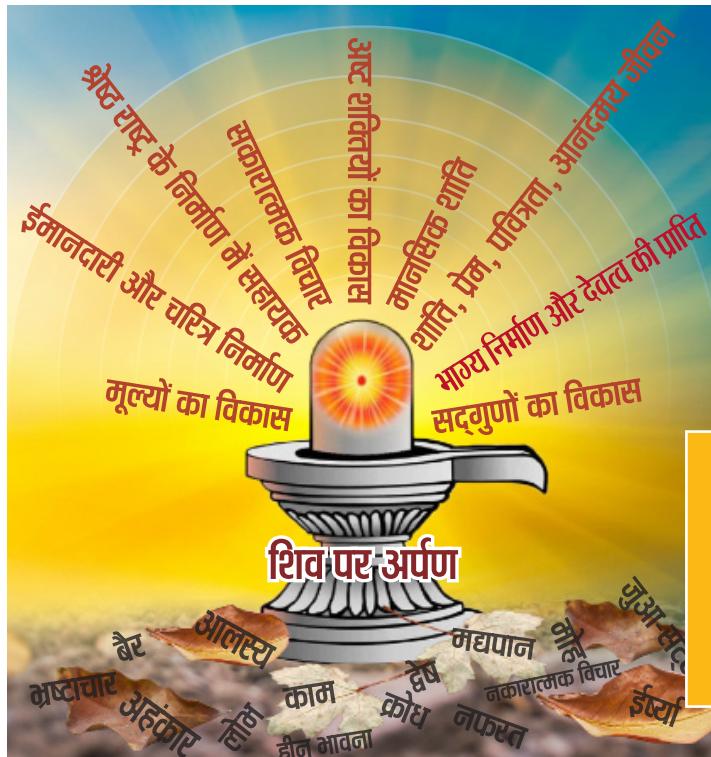
यह कराया संकल्प....

देश-विदेश में चली मुहिम....

15 दिवसीय महोत्सव के रूप में मनाया गया। इस दौरान लोगों को जहां नशे के दुष्परिणाम बताए गए वहीं जीवन को सुख-शांतिमय बनाने के टिप्पणी भी दिए गए।

अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय में चला अभियान....

शिवरात्रि महोत्सव के उपलक्ष्य में 15 फरवरी से 15 दिवसीय 200 गांवों में चार अभियान चलाए गए। इनके माध्यम से लोगों को शाश्वत जैविक-यौगिक खेती के बारे में स्कूल कराते हुए नशामुक्ति के लिए प्रेरित किया और संकल्प कराया। साथ ही जल संवर्धन, स्वच्छ स्वस्थ भारत को लेकर स्कूलों, सरकारी कार्यालयों, आंगनवाड़ी केन्द्रों में कार्यक्रम आयोजित किए गए।



माउंट आबू से चलाए गए कार्यक्रम....

जल संवर्धन

22 गांव
25 स्कूल
50 कार्यक्रम
30 हजार प्रतिभागी

व्यसनमुक्ति अभियान

30 गांव
38 स्कूल
15 पब्लिक कार्यक्रम
10 हजार प्रतिभागी

जैविक और यौगिक खेती

65 गांव
71 स्कूल
15 बड़े कार्यक्रम
18 हजार बच्चे शामिल
60 हजार लाभार्थी लाभ

स्वच्छ स्वस्थ भारत अभियान

50 गांव
60 स्कूल
55 कार्यक्रम
10,500 प्रतिभागी

देशभर में निकालीं शोभायात्राएं...

महाशिवरात्रि महोत्सव के तहत देशभर में रैली व शोभायात्राएं निकालीं गईं। इसमें जीवन में व्याप्त बुराइयों को छोड़ने के लिए आमजन को जागरूक किया गया। साथ ही संदेश दिया गया कि जीता में विपर्ण धर्मगतिर्वातीन का ये वही समय है जब इस धरा पर परमात्मा आकर मनुष्यात्माओं का उद्धार करते हैं। साथ ही सहज राजयोग की शिक्षा से पतित से पावन बनाते हैं। वर्तमान में कलियुग के अंत और सत्युग के आदि की संधि वेला पुरुषोत्तम संगमयुग चल रहा है। यही समय श्रेष्ठ भाव्य बनाने का समय है। परमात्मा का इस धरा पर अवतरण हो चुका है।

ऐसे डाली विकारों की आहुति

शिवरात्रि महोत्सव पर ब्रह्माकुमारी बहनों द्वारा लोगों से जीवन में मन-वचन-कर्म की पवित्रता बनाए रखते हुए श्रेष्ठ मार्ग पर चलने का संकल्प कराया गया। विकारों (काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार, द्वेष, इर्ष्या, लालच, नफरत, नकारात्मक विचार और व्यसन) की आहुति डाली गई।

विदेशी मेहमान भी हुए शामिल....

मुख्यालय में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में मुख्य प्रशासिका दादी जानकी, संयुक्त प्रशासिका दादी रत्नमोहिनी, महासचिव बीके निर्वर्त, यूरोप के सेवाकेन्द्रों की निदेशिका बीके जयंती, जर्मनी की प्रभारी बीके सुदेश, सेंट पीटर्सबर्ग की प्रभारी बीके संतोष, रशिया की निदेशिका बीके चक्रधारी, बीके सुधा सहित देशी-विदेशी मेहमान शामिल हुए।



माउंट आबू में तीनों स्थानों पर फहराया गया शिवध्वज

देशभर सहित अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय के शांतिवन, माउंट आबू, ज्ञान सरोवर परिसर में भी शिव ध्वज फहराकर संकल्प कराया गया।

विकारों पर विजय प्राप्त करने का पर्व

“ यह पर्व परमात्मा पर अपनी बुराइयों को अर्पण करने का पर्व है। परमात्मा शिव हमसे बुरी चीजें लेकर अच्छी चीजें अर्थात् मूल्यों का वरदान देते हैं। इसलिए इस पर्व पर हमें जीवन में अच्छाइयों को धारण करने का संकल्प लेना चाहिए।

■ राजयोगिनी दादी जानकी

मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज, माउंट आबू

नई दुनिया बना रहा परमात्मा

परमात्मा नई दुनिया बनाने के लिए इस पर्व को हम धूमधाम से मनाते हैं। यही कारण है कि यह रात्रि के रूप में मनाते हैं। रात्रि अर्थात् अज्ञानता की रात्रि।

■ राजयोगिनी दादी रत्नमोहिनी

संयुक्त मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज, माउंट आबू

हमारा प्रयास नई दुनिया की स्थापना

परमात्मा का जो संकल्प है वही हमारा भी संकल्प है। परमात्मा ने इस संस्थान की स्थापना नई दुनिया बनाने के लिए की है। हमारा भी प्रयास है कि विकारों की आहुति देकर अपनी बुराइयों को समाप्त करें।

■ राजयोगी ब्र. कु. निर्वेर

महासचिव, ब्रह्माकुमारीज, माउंट आबू

ब्रह्माकुमारीज का कार्य सराहनीय

ब्रह्माकुमारीज संस्थान ने शिवरात्रि महोत्सव के उपलक्ष्य में जो समाजोत्पान का वीणा उठाया है, वह काबिले तारीफ है। इससे लोगों में परमात्मा के दिव्य कर्मों का पता पड़ेगा। इसके साथ ही जो सामाजिक कार्य है उसके प्रति जागरूकता आएगी।

■ पायल परसराम पुरिया

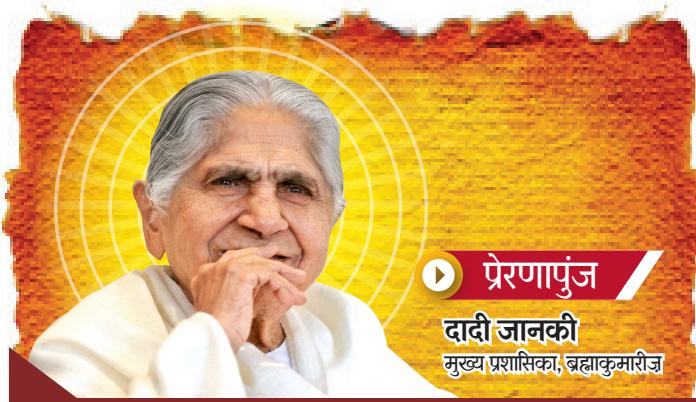
जिला प्रमुख, सिरोही, राजस्थान

लोगों में आएगी जागरूकता

इन कार्यक्रमों से लोगों में जागरूकता आती है। लोग अपनी मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने के चक्कर में असती चीजों को भूल जाते हैं। इससे कर्म का बोध रहेगा। आज ऐसे कार्यक्रमों की जरूरत है।

■ समाराम गरासिया

विधायक, आबू-पिंडावाड़ा, सिरोही, राजस्थान



प्रेरणापुंज

दादी जानकी
मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज

योगयुक्त स्थिति बनानी है तो व्यर्थ बातों से मुक्त बनो

शिव आमंत्रण ► आबू योंड। किसी भी बीमार-रोगी पर दया आती है ना, हमारी दृष्टि से दुआ मिले वह ठीक हो जाये, तो यह भी संस्कार बाबा अभी भर रहे हैं। यह थोड़े ही कहेंगे कि यह इसके कर्मों का भोग है। बाबा की दया और दुआ से ही हम सब इतने दिन ऐसे एवर हेल्पी रह सकते हैं। पांच फीसदी दवाई है बाकी तो बाबा की ही दुआ है, मदद है। हेल्प हो, चाहे वेल्प हो यह भी खुजाना इतना बुद्धि में बैठे, धारणा में आए यह भी बाबा हिम्मत देता है। तो एवर हैप्पी रह सकते हैं। हम लोगों को बाबा ने सेवा के लिये इतनी अच्छी-अच्छी बातें दी हैं तो वह देवी हो करके रहे, अभी तुम्हारा पार्ट है। सब पर दया, दुआ करना है। यह कैसा है, वैसा है असुल रिंचक मात्र भी हमको टच न हो। कैसा भी है इसका भी भला हो। ऐसा हमारा दुआओं भरा आवाज हो तो कैसा भी बदल जायेगा।

डायमंड हॉल में बैठे बाबा के गुण गते हैं, मीठे बाबा ने हमारी जीवन हीरे तुल्य बनाने के लिये कितने प्रकार के साधन हमारे लिये बनाये हैं। इतने बड़े संगठन में, शक्तिशाली वातावरण में अपने आपको देख, मीठे बाबुल ध्यान नहीं है और सब बातों से प्रीय है। हमारी चलन और चेहरा अन्दर की धारणा को प्रत्यक्ष रूप में दिखाता है। यह भी बाबा ने कहा है कि जितना याद की शक्ति होगी उतना राजाई पद पाने के अधिकारी हैं क्योंकि अधिकारी बनना है तो उसके लिए योगबल चाहिए। सही योग किसको कहा जाता है? चलते-फिरते, कार्य-व्यवहार में आते हुए भी अपने ऊपर अटेंशन हो तो योगयुक्त स्थिति रह सकती है। जिसे मां-बाप को फालो करना है, उनकी योगयुक्त स्थिति रह सकती है। जो हादों से पार रहने के लिये अन्दर ध्यान रखते हैं, उनकी योगयुक्त स्थिति रह सकती है। अपने आपको परचंतन से प्रीय रखें। यह हमारी जिम्मेवारी है। यह जिम्मेवारी भी बहुत अच्छा साधन है अपने आपको चेंज करने के लिये, तो इस जिम्मेवारी को जो अच्छी तरह से निभाता है उनको अच्छा रेस्पांड मिलता है।

समेटने और समाने की शक्ति योगयुक्त बनने में बहुत मदद करती है, क्योंकि अन्त मते हमारी स्थिति बहुत ऊँची रहे, बाबा ही समाने हो तो बाप समान बनेंगे। बाबा सामने तब आयेगा जब पढ़ाई और सच्चे पुरुषार्थ पर, सच्ची दिल से सेवा पर ध्यान दिया होगा। बहुत काल का योग माना बहुत काल से सच्चे बाबा के साथ सच्चा रहा हुआ हो। सच्ची दिल से साहेब को सदा राजी रखा हुआ हो तो अंत मते बाबा सामने आयेगा। बाबा मेरे ऊपर सदा राजी रहे, जैसे बाबा कहते बच्चे नियत साफ, दिल साफ तो मुराद हासिल। बाबा की मदद के बिगर तो हम मददगार बन भी नहीं सकते हैं। परन्तु हिम्मत हम बच्चों की मदद बाबा की है। हिम्मते बच्चे मददे बाप-यह भी एक स्टोरी है। सच्ची दिल पर सहेब रही। सच्ची दिल है हमारी तो सहेब राजी है। पिर कोई भी हमारे से नाराज नहीं हो सकता है। सहेब को राजी रखना हो तो जो भूल एक बार हुई वह दोबारा न हो। हमारी चलन कोई साधारण न हो। अगर बाहर लोगों जैसी हमारी चलन है तो नाम बाला करने के बजाए उसका प्रभाव लोगों पर क्या पड़ेगा। प्रभाव तो छोड़ो पर अपना ही मन खाता रहेगा। तीसरी बात नियत साफ यानी दिल साफ तो मुराद हासिल।

सिर्फ अपने निजी पुरुषार्थ अर्थ या सेवा अर्थ संकल्प है तो भी सफलता नहीं मिलती। भले सेवा की तो अनेकों के सहयोग से सफलता होगी, एक हमारे से नहीं होगी। सेवा अर्थ तो बाबा किसी को भी टच करके करा लेगा। परन्तु अपने पुरुषार्थ के लिये संकल्प इतना शुद्ध, श्रेष्ठ हो जो हमारा हर संकल्प सकार होता है। सच्ची दिल से सच्चे बाप को याद करें। दिल में कोई प्रकार के दुःख-दर्द की फीलिंग न हो। भले देने वाला कोई दे भी लेकिन अन्दर अपने आपको बड़ा शांत और प्रेम वाला ऐसा बानायें जो हमारी दिल में शान्ति और प्रेम हो। चलो किसी का संस्कार कुछ है, जानते हैं कोई बड़ी बात नहीं है। उसको बड़ी बात करके उठा करके अपनी दिल को खारब मत करें। इसमें बहुत ध्यान रखना होता है। योग तभी अच्छा लगता है जब दिल सच्ची है, साफ है, कोई खिटखिट नहीं है। कोई प्रकार का व्यर्थ चिंतन नहीं है। मैं बाबा की मदद कहूँ, बहुत मेहरबानी कहूँ, हमारे ऊपर इतनी जिम्मेवारी होते हुए भी हम एकदम हल्के रहते हैं क्योंकि हम कभी समझते ही नहीं कि हमारी कोई जिम्मेवारी है क्योंकि बाबा किसलिए है। जिससे हमारी बुद्धि बहुत हल्की रहती है। जो अपने आपको सदा हल्का रखता, खुश रखता, वह नशीबवान है।

क्रमशः....

राजयोग के अभ्यास से मिट गए विधवा और अबला होने जैसा अभिशाप

शिव आमंत्रण ► आबू योंड। हमारे समाज में नारी का सफर चुनौती भरा जरूर है, परंतु उसमें चुनौतियों से लड़ने का साहस आ गया है। आज की नारी अर्थिक व मानसिक रूप से आत्मनिर्भर है। परिवार व अपने कैरियर दोनों में तालमेल बैठाती नारी का हिम्मत वाकई कबिले तारीफ है। आज तक विधवा और अबला कहलाने वाली नारी भी हिम्मत और आत्मबल से समाज की पुरानी रुढ़ीवादी परंपरा को तोड़ते हुए खुशनुमा जिंदगी जीने की राह पर दिखाई दे रही है। इसी बात की गवाह बिहार के बेगुसराय जिले के खम्हार गांव में जन्मी शबनम सोनी हैं जो अपने पति के आकर्षित मौत से आहत होकर खुद को कमज़ोर, अबला और विधवा मानकर कुंठित जिंदगी जी रही थीं लेकिन राजयोग के अभ्यास ने उन्हें समाज की प्रेरणादायी सशक्त नारी बना दिया है। ब्रह्माकुमारीज के शास्त्रिवन परिसर में पथराने पर शिव आमंत्रण पत्रिका के साथ ख्यास बातचीत में उन्होंने अपने जीवन के प्रेरणादायी अनुभव साझा किए। उन्हीं के शब्दों में उनकी कहानी...

भगवान की खोज में उठते प्रश्न
मेरा जन्म वर्ष 1980 में एक शिक्षित और समृद्ध परिवार में हुआ। मेरी मां शिव भोलेनाथ की बहुत बड़ी भक्ति थीं। मैं बचपन से गंभीर स्वभाव की होने के कारण मां के भक्ति भाव से बहुत प्रेरित थीं। इससे भगवान के बारे में सोचते रहना एक स्वभाव में आ चुका था। जैसे-क्या कोई इस संसार को चलाने वाला है? इंसान को कौन बनाता है? न जाने यह सृष्टि किंतु बड़ी और कब तक चलती है? भगवान कौन है और कैसा हो सकता है? ऐसे कई सवालों के जबाब न मिल पाना मेरे लिए एक चिंता का विषय जैसा था।

राष्ट्रप्रेम के बजह से झूम-झूम कर गाना
मैं मां को देखकर शिवभक्ति तक करती ही थी परंतु जान की देवी सरस्वतीजी की पूजा-वंदना करना बहुत अच्छा लगता था। क्योंकि बचपन से मुझे संगीत के साथ-देशभक्ति में बहुत सच्ची थी। हमेसा स्कूल-कॉलेज के दिनों में देशभक्ति गीत राष्ट्रप्रेम से अभिभूत होकर झूम-झूम कर गाती रही थी। हमेसा प्रथम पुरुस्कार भी प्राप्त किया। अपने देश का बचपन से खाना सुन-सुन कर मेरे अंदर देशप्रेम भी भावना इस कदर उमर चुकी थी कि मुझे लगता था काश मैं भी देश की आजादी में शामिल हुई होती तो आज मेरा सीधार्य कुछ और ही होता।

जीवन में एक नए अध्याय की शुरूआत
मेरे सुमधुर गीतों की आवाज के कायल होने के कारण एक-दो लड़के ने मुझसे प्रेम विवाह के लिए प्रस्ताव रखा। इस बीच मेरी शादी एक किसान परिवार में हो गई। शुरूआती दस साल पति के समय तो खट्टे-मीठे अनुभव भरे रहे। जिंदगी खुशनुमा गुजर ही थी। ऐसे में एक घटना ने मेरे जीवन की दिशा बदल दी।

जीवन का वो दुःखद हादसा...

मेरी शादी के दस साल बीतने के बाद मैं अपने दो बच्चों के साथ घर पर थी उसी समय मेरे पति और उनके छोटे भाई करंट की करंट लगने से मौत हो गई। घर के दोनों चिराग एक साथ बुझ जाना यह मेरे और मेरे दो बच्चों सहित पूरे परिवार के लिए पहाड़ टूटने जैसा ही था। मेरे रो-रोकर आंख सूख चुके थे। मैं जिंदगी जीने की आश छोड़ चुकी थी। मैं इतना टूट चुकी थी कि भगवान पर से पूरी तरह आस्था उठ गई थी। खुद को संसार में असहाय मानने लगी थी। घर में दो बच्चे मेरे और दो बच्चे देवरानी के यानी चार बच्चों की पढ़ाई सहित बुजुर्ज मां-बाप की



शख्सियत

“ 38 वर्षीय शबनम सोनी आज कुशलतापूर्वक पूरी परिवार को चला रही हैं। जो पति की मृत्यु के बाद टूट चुकी थीं फिर भी साहस और आत्मबल की बदौलत अपने बच्चों और परिवार को खुशियों से भरी जिंदगी संतुलित करने में कामयाब रही हैं। वह इस कामयाबी का श्रेय राजयोग के निरंतर अभ्यास को देती हैं। ”

देखभाल कर जीवन चलाना मेरे लिए बहुत बड़ी चुनौती भरा था। उस चुनौती के दबाव में आंतमहत्या करने जा रही थी।

एक अदृश्य ताकत और बच्चों की ममता ने मुझे अंदर से धार्थ कर रखा
घर में बड़ी बहू होने के नाते मेरे ऊपर सबका पालन-पोषण करने की जिम्मेदारी थी। परिस्थितियों से घबराकर मैंने आत्महत्या तक का मन बना लिया था, तब मेरे अंदर मानो एक अदृश्य शक्ति ने जीने के लिए प्रेरणा दी कि तुम्हें जिंदा रहकर इन लोगों की देखभाल करनी है। तब मैं एक बार फिर हिम्मत के साथ जिंदगी की जग जीतने के लिए तैयार हो गई। क्योंकि मेरे आलावा मेरे परिवार को देखने वाला कोई नहीं था। मैंने हिम्मत के साथ पैथोलॉजी की पढ़ाई पूरी कर प्राइवेट पैथोलॉजी संस्थान जॉड्इन किया। साथ ही अपने दो बच्चों सहित पूरे परिवार का भरण-पोषण करने लगी। फिर भी जीवन में एक प्रकार की हताशा और निराशा बनी रहती थी।

भगवान का मेरे जीवन में पति और प्रेमी के रूप में आगमन

एक समय ऐसा आया जब ब्रह्माकुमारीज संस्थान से जुड़ी एक बहन ने मुझे एक बार मेंडिटेशन सेवा की बात कही। उस पत्रिका के एक प्रेरणादायी लेख पढ़कर मैं बेहद प्रभावित हुई। उसके बाद ब्रह्माकुमारीज के राजयोग मेंडिटेशन सेवाकेंद्र पर सात दिन का कार्स करने के लिए प्रेरित हो गई। पहली बार मेंडिटेशन केंद्र के सुमधुर सुंदर वातावरण में पहुंच कर गहरी शांति का अनुभव किया, जहां पहुंच कर मेरा रोम-रोम खिल उठा। मुझे

एहसास हुआ कि मैं कोई अलग दुनिया में आ चुकी हूँ। वहां के भाई-बहनों के स्नेह-प्रेम ने ऐसा एहसास कराया जैसे लग इन लोगों से मैं कई जन्मों से बिछुड़ी हुई थी जो मुझे यहां आकर सब मिले हैं। सात दिन का राजयोग कोर्स पूरा करने के बाद मुझे अनुभूति हुई कि भगवान मिल गए, मैं फूली नहीं समाती थी। खुशी से परमात्मा द्वारा मिली जाने की याद में मेरे आंसू बहने लगे। क्योंकि परमात्मा का मेरे आगमन हुआ। जो पाना था सो पिला।

राजयोग के निरंतर अभ्यास से हमारा मनोबल कामी कर दिया

वर्ष 2013 से ब्रह्माकुमारीज की ज्ञान-मर्यादाओं के साथ राजयोग क

“कोल्हापुर कारागृह बना ईश्वरीय सुधारगृह... सात वर्षों से ब्रह्माबेला में कैदी करते हैं मेडिटेशन

कोल्हापुर जेल में सात वर्षों से चल रही योग और आध्यात्म की पाठशाला



महाराष्ट्र के कोल्हापुर जेल में ध्यान के बाद प्रवचन का लाभ लेते हुए बंदी।



शिव आमंत्रण कोल्हापुर/महाराष्ट्र। हमारे सामाजिक में यदि अपराध पर काबू पाना है तो अपराधी की मनोवृत्ति को प्रेमपूर्वक समझकर उसे नेक राह पर चलने के लिए प्रेरित करना होगा। क्योंकि अपराध का मूल कारण नकारात्मक मनोवृत्ति और नकारात्मक विचारधारा है। इस मनोवृत्ति को बदलने के लिए एक सशक्त प्रयास की आवश्कता है। इसी आवश्कता को देखते हुए प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय ने देशभर में जेलों के अंदर राजयोग-मेडिटेशन का प्रशिक्षण बंदी भाई-बहनों को दे रहा है। देश के अधिकतर जेलों में ब्रह्माकुमारीज के भाई-बहनों अपने तन-मन और धन से बंदियों को सभ्य सकारात्मक बनाने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। इसी प्रयास के तहत महाराष्ट्र के कोल्हापुर कारागृह में पिछले सात साल से आध्यात्मिक शिविर लगाकर बंदियों को तनाव, बदले की भावना, नकारात्मक सोच जैसी कई अपराध प्रवृत्ति से निजात दिलाने में प्रयत्नशील है। वर्ष 2013 से ब्रह्माकुमारीज संस्थान द्वारा इस जेल में राजयोग शिक्षा देकर कई बंदियों का जीवन पूरी तरह से बदल दिया है। करीब 65-85 कैदी भाई प्रतिदिन ध्यान लगाते हैं।

2013 65-85

से जारी है राजयोग
मेडिटेशन का प्रशिक्षण

बंदी प्रतिदिन
लगाते हैं ध्यान

राजयोग से जेल में इन बंदियों का बदला जीवन

राजयोग के अभ्यास से जेल की सजा जिंदगी में भी चार चांद लगा दिए

बंदी रामचंद्र बिठ्ठल ने बताया राजयोग मेडिटेशन का प्रशिक्षण लेने से पहले ब्रह्माकुमारीज की एक पवित्रिका का लेख राजयोग के करीब लाने में बेहद मददगार बना। जो मेरे जेल की सजावार जिंदगी में चार चांद लगा दिए। इसके लिए प्रमात्मा और गाइड करने वाले भाईयों का शुक्रगुजार है।

अब मैं अपने जीवन से हमेशा बहुत खुश रहता हूं

बंदी प्रीतम गणपति पाटिल ने कहा मैं कारागृह में एक गुनाहगर कैदी रूप में आया था, लेकिन सौभाग्य से मुझे ब्रह्माकुमारीज संस्थान के भाईयों द्वारा जो जान प्राप्त हुआ जिसके बजह से मेरे अंदर का डर, हताशा, निराशा और अकेलापन पूर्णतः समाप्त हो गया। अब मैं अपने जीवन से हमेशा बहुत खुश रहता हूं।

विकारों का चक्कर छोड़ आध्यात्मिक चक्र में आ चुके हैं

बंदी उमेश सुरेश सुनवने ने कहा कि मैंने अपनी आंखों से कई लोगों को बदलते देखा है। विकारों में द्वूषकर खुद को ही भूल चुका था। कोई काम विकार, कोई क्रोध, लोभ, मोह और कोई तो अहंकार के चक्कर में जेल आ गए थे वे भी अब आध्यात्मिक मार्ग के चक्र पर अग्रसर हो चुके हैं।

अलसुबह से हो जाती है दिनचर्या
की शुरुआत

ब्रह्माकुमारीज के राजयोगी साधक भाई बंदियों के बैरक में आध्यात्मिक पाठशाला लगाते हैं। ईश्वरीय महावाक्य मुनकर बंदी जेल के अंदर अपने को बहुत ही सौभाग्यशाली, आनंदमयी, प्रेममयी सुख पा रहे हैं। जेल में उन्हें ब्रह्माकुमार भाइयों द्वारा बदला नहीं बदल कर दिखाना है कि स्तोगन रोज पढ़ाया जाता है। प्रतिदिन ब्रह्ममुहूर्त में उठ कर राजयोग का ध्यान करना इनकी दिनचर्या में शामिल हो गया है। वे लोग रोज सुबह एक नियमित स्थान पर ईश्वरीय महावाक्य यानी ज्ञान रूपी गंगा जल से रोज सान करते हैं। इस तरह से कैदी अपना आचरण दिन-प्रतिदिन सकारात्मक रूप से सुधारते जा रहे हैं।



“आध्यात्मिक ज्ञान के साथ सकारात्मक जीवनशैली के बारे में जो पाठ ब्रह्माकुमारीज द्वारा जेल के अंदर पढ़ाया जा रहा है, इससे बंदियों को गुनाहगर प्रवृत्ति में तीव्र गति से सकारात्मक बदलाव आ रहा है। बंदियों को बहुत मानसिक संतुष्टि मिल रही है। इससे प्रीत होता है कि उनमें आध्यात्मिक ज्ञान के आधार से पूर्णतः बदलाव करने में कामयाबी हासिल की जा सकती है। इस श्रेष्ठ सेवा से कारागृह प्रशासन परमात्मा और ब्रह्माकुमारीज संस्थान का आभारी है।

■ दत्तात्रेय गावडे, जेल अधीक्षक, कोल्हापुर मध्यवर्ती कारागृह, महाराष्ट्र

“समाज को एक नया रूप देने में आज अनेक कैदी भाई सहयोगी बन रहे हैं। इसके लिए ब्रह्माकुमारीज संस्थान आरे से बेहद शुभभावना और शुभ कामना देती हूं। हम सब जेल में रह रहे कैदी और समाज हित के कार्य को प्रोत्साहित करने के लिए जेल प्रशासन का भी आभारी है। मेरा मानना है कि हर वर्ग राजयोग को जीवन में अपनाकर जीवन में सुख, शांति, प्रेम, आनंद से भरपूर करने में अधिक से अधिक समय खुद में लगाए।

■ बीके सुनंदा बहन, पुणे सबजोन इंचार्ज, कोल्हापुर, महाराष्ट्र

“मुझे पिछले 5 वर्ष से जेल की सेवाएं करने का सामाजिक परिवर्तन आया है। ऐसे परिवर्तन से एक दिन अवश्य ही दुनिया बदलेगी। आज कैदियों के चेहरे पर देवताई आनंद देखने को मिल रहा है। इस परिवर्तन के लिए परमात्मा के साथ-साथ जेल प्रशासन का भी शुक्रिया ददा करता हूं।

■ बीके डॉ. अश्वन निबालकर, कोल्हापुर, महाराष्ट्र

“वर्ष 2004 में पत्नी से झगड़ा हुआ इस पर उसने सुसाइड कर लिया। इसके इल्जाम में मुझे जेल जाना पड़ा। 2013 से ब्रह्माकुमारीज संस्थान द्वारा चलाए जा रहे ईश्वरीय पाठशाला से सौभाग्यवश प्रेरित होकर जब मैं बाहर आया तो अपने घर में भी ईश्वरीय पाठशाला खोलकर अपने समाज में खुद का खोया हुआ सम्मान पाकर बेहद खुशनुमा जीवन जी रहा हूं। इसके लिए परमात्मा पिता और ब्रह्माकुमारीज संस्थान का दिल से धन्यवाद देता हूं।

■ बीके नामदेव जांभके, कोल्हापुर, महाराष्ट्र

“कोई भी व्यक्ति जन्म से गलत नहीं होता है, उसके सोचने के नजरिये से ही वह अच्छा या बुरा बन जाता है। जिसकी जितनी महान सोच होगी, उसका व्यक्तित्व उतना ही महान होता है। जेल की सेवाओं का जब मुझे अवसर मिला तो खुद को बेहद सौभाग्यशाली समझने लगा। शिवाबाबा की कृपा से आज कई कैदियों को आध्यात्मिक ज्ञान से श्रेष्ठ भाग्य बनाने का नशीब प्राप्त हो रहा है। जो बंदी पहले गाती-गतौज के साथ नकारात्मक विचारों से बहुत ग्रसित थे वे आज आयात्म के बल से खुद का जीवन बदल दूसरों को भी सकारात्मक विचारों की ओर प्रेरित कर रहे हैं, जो काफिले तारीफ है। कई बंदियों का जीवन प्रेरणादायी बन गया है।

■ बीके आनंद संकपाल, कोल्हापुर, महाराष्ट्र

बदलाव

बंदी भाई भजनों से प्रभु प्रेम में हुए मर्न, जेल बनी संगीतशाला

जेल में आध्यात्मिकता और संगीतरस में झूंके बंदी भाई

शिव आमंत्रण कोल्हापुर/महाराष्ट्र। प्रयोग: जेल का नाम सुनते ही सबके मन में एक डर-सा पैदा हो जाता हो जाता है। मन में विचार चलते हैं कि जेल के बंदी लोग जो कई तरह के अपराध करके जेल के अंदर आते हैं शायद उनकी मनोवृत्ति कितनी भयानक होती? उनके अंदर की भावनाएं उनकी वृत्ति बेहद खँखार, क्रोधी, डरपेक, तनाव चिंता से भरा होगा। ऐसा मेरा मानना था। उन लोगों के अंदर किसी तरह का आध्यात्मिक आत्मज्ञान, तथा ईश्वरीय भजन कीर्तन से भी उनका कोई दूर-दूर तक नाता नहीं होगा। वे लोग नफरत और ईर्ष्या से भरे होंगे लेकिन ऐसी मेरी सोच के विपरीत बिल्कुल



■ बीके रघुनाथ भाई (भीडिया) सेवाधारी, कोल्हापुर (महाराष्ट्र)

सकारात्मक स्थिति जेल के अंदर देख कर मैं दौंगा रह गया। एक दिन जब ब्रह्माकुमारीज संस्थान की ओर से एक राजयोगा शिविर के कार्यक्रम के दौरान मुझे जेल के अंदर जाने का मौका मिला तब एक सख्त पहरेदारी के साथ हम लोगों का सख्ती से जांच पड़तात की गई। उसके बाद जब हम लोगों का जेल वार्ड में पहुंचना हुआ तो वहां सारे कैदी बिल्कुल तभी होंगे जो बंदी बैठे थे। मुझे आश्वार्य हुआ ये लोग बंदी हैं या कोई बाहर से आए हुए अतिथियां। तभी कई बंदी भाईयों को हमने देखा कि हारमोनियम, तबला, झांझ लेकर गीत-संगीत का कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए ज्ञान योग तथा



भजन कीर्तन में झूंके हुए थे। कई कैदियों को शरीफ इंसानों के बस्ती में आ चुका हूं। जहां देख कर मुझे ऐसा लगा कि यह जेल नहीं कोई शरीर इंसानों के बस्ती में आ चुका हूं। जहां सैकड़ों कैदी भाई गीत भजन की मस्तियों में फिर से देखकर बेहद खुशी हुई।

मद मस्त होकर प्रभु प्रेम में मग्न थे। यह दूश्य देखकर मुझे अनुभव हुआ कि इंसान के अंदर कितने भी कड़े, पुराने, बुरे संस्कार क्यों न हों लेकिन उसे ज्ञान, योग और दृढ़ संकल्पों से बदला जा सकता है।

मैंने देखा जेल के अंदर बड़े अधिकारी और अनेक बंदी भाई ईश्वरीय सेवाओं में विशेष रुच खड़े हुए वहां चलने वाली ब्रह्माकुमारीज की ज्ञान योग के कार्यक्रम में बड़-चढ़कर भागीदारी निभा रहे हैं। उसके लिए उन लोगों को हृदय से धन्यवाद देता हूं। साथ में मैं परमात्मा पिता का बहुत शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने भी मुझे ऐसी सेवा प्रदान कर धन्य कर दिया है। आगे यही बदलाव पूरे देश के जेलों में देखने की लालसा है जिससे ही हमारा यह कलयुगी दुनिया फिर से सत्युग बनने की गहर पर चल पड़ा है। जिसे देखकर बेहद खुशी हुई।

जीवन प्रबंधन



बी.के. शिवानी

जीवन प्रबंधन विशेषज्ञ

अतराष्ट्रीय नोटिवेशन एप्पिकॉर और ब्रह्माकुमारीज की टीवी ऑडिओन, गुरुग्राम, हरियाणा

किसी भी समस्या का संपूर्ण समाधान खुद पर विश्वास के साथ यकीन करने से होता है

**। अपने मन का इलाज स्वयं करें तभी आप किसी भी तरह की
बीमारी और समस्याओं का हल संपूर्ण रूप से कर सकेंगे**

शिव आमंत्रण माड़त आबू। आज के समय में जबकि बहुत सारी बातें चारों तरफ सुनने को मिलती हैं और मौंडिया भी हमें बहुत सारी सूचनाएं घर बैठे देता रहता है। तो आज के समय लोगों में एक डॉक्टर पर विश्वास करना भी बहुत कठिन हो चुका है। दुनिया में कुछ ऐसे भी लोग हैं जो डॉक्टर हैं नहीं, लेकिन वो लोगों का उपचार कर देते हैं। कई लोग कहते हैं हम उनके पास गए, उन्होंने ऐसे हाथ लगाया हमारा दर्द चला गया। वो लोग कैसे कर लेते हैं एक दूसरे का उपचार? ना कोई दवाई, कोई सर्जरी नहीं, ना कोई इलाज, ना कोई रेफेन बस कहते हैं थोड़ा-सा मुझे छुआ, थोड़ा इधर दबाया, थोड़ा उधर दबाया बस ठीक हो गया। वह कौन से विधि है इस तरह का उपचार करने का? वह है यकीन। यकीन ही एक ऐसी दवा है जो रोगी के तरफ से उपचार करने वालों पर किया जाता है और उनकी सकारात्मक प्रकंपन के वजह से दवा भी काम करने लगती है।

पहले अपने मन का इलाज स्वयं करें

विश्वास ही इलाज में मदद करता है। फिर जहां संदेह पैदा हुआ बस इलाज की स्थिति डाउन होने लगेगी। पिछले कुछ सालों में नकारात्मकता और संदेह रूपी अवरोध बढ़े से बड़ा रूप में आ चुका है। डॉक्टर हमें कहता है पहले स्कैन कराओ तो पहले संदेह पैदा होता है कराऊं की नहीं कराऊं। कोई डॉक्टर कहे आपको सर्जरी करानी है डाउन आ जाता है। तो फिर मन में आता है सच में सर्जरी करानी है या अपने फायदे के लिए कहते हैं? इस तरह रोगियों को संदेह होता रहे तो अपने ही उपचार में अवरोध पैदा कर रहे हैं। अब एक उपचार करने वाले के नाते हम क्या ऐसा करें जो हम पर उसका विश्वास हो जाए? विश्वास तो जबरन किसी को दिला नहीं सकते हैं। एक डॉक्टर होने के नाते रोगियों को सहजता से विश्वास में लेने के लिए जब उनसे मिलें तो हमारे प्रकंपन से उसे एहसास हो जाए कि इन पर मुझे संपूर्ण विश्वास है। खुद पर संपूर्ण विश्वास रखकर अपने मन का इलाज स्वयं करें, तभी हर तरह की बीमारी और समस्याओं का हल संपूर्ण रूप से कर सकेंगे।

अपनी महसूसता की शक्ति में कोई मिलावट न हो

दुनिया में जो छोटी-मोटी बातें हो रही हैं कि वह डॉक्टर ऐसा है, वैसा है। ऐसी बातों से मौंडिया ने जो बातें टीवी, रेडियो, अखबार के द्वारा ऐसी सूचनाएं हम लोगों के दिमाग में भर दिया है। यर्योंकि मौंडिया हमारे दिमाग पर बहुत ही शक्तिशाली भूमिका निभा रहा है। एक तरफ जागरूकता भी पैदा हो रही है और साथ में उपचार करने की शक्ति का मार्ग भी अवरुद्ध हो रहा है। इसलिए प्रत्येक उपचार करने वाले की जिम्मेदारी है कि वो अपना चेहरा हाव-भाव इतना सुंदर, सकारात्मक, शक्तिशाली बना कर रोगियों का इलाज करे कि रोगी सुनी-सुनायी बातें भूल जाएं। कहे इन पर तो मेरा पूरा विश्वास है। विश्वास-यकीन वह चीज है जो उपचार के लिए दवाई पर दवाई कितना भी खाते रहो लेकिन अंदर से डाउन बना रहे तो दवाई अपना काम करेगी और संदेह अपना काम करता रहेगा। तो मेहनत ज्यादा हो जाएगी। रिजल्ट

कम मिलेगा। जैसे ही रिजल्ट कम मिलेगा वैसे ही रोगी का संदेह और भी ज्यादा बढ़ता जाएगा। इसलिए अपनी महसूसता की शक्ति को बहुत कलीन करना पड़ेगा। इतना शुद्ध की जिसमें कोई तरह की मिलावट नहीं है।

रोगियों के साथ करें अपनत्व व्यवहार

पुराने डॉक्टर से इलाज करने में बहुतों को सुन कर थोड़ा विश्वास बंधा होता है। लेकिन नए डॉक्टर के पास एक अनजाना सा डर के साथ संदेह भी बरकार रहता है। इसलिए डॉक्टर को सफल इलाज करने के लिए रोगी को अपने विश्वास में बांधना आना चाहिए। रोगी के सामने अनजाना-पराया सा व्यवहार करके पुराने डॉक्टर भी अपना विश्वास खो सकते हैं। लेकिन नया डॉक्टर भी रोगी के साथ अपनत्व के साथ दोस्ताना व्यवहार से रोगी के मन की बात करें तो रोगी को लगता है यह बढ़िया डॉक्टर है। मेरे से इतना प्यार से बात किया। जो बात बताने में मैं डर रही थी शर्मा रही थी वैसी ही बातें कर वह तो मेरा दिल जीत लिया। वो मेरे बहुत ध्यान रखते हैं। इस तरह डॉक्टर विश्वास जीत कर इलाज में सफल हो सकते हैं।

विश्वास के वजह से जादू हो जाता

डॉक्टर की पढ़ाई भी आजकल यहीं सोच कर करते हैं कि यह बन जाने के बाद बहुत पैसा कमाएंगे। डॉक्टर को भी लगता है कि बहुत रोग बढ़ना ही उनके लिए कमाई का जरिया है। इसलिए डॉक्टर के बात पर भी आज लोगों का भरोसा उठता जा रहा है कि वो कई तरह के जांच कराने अपने फाइदे के लिए कर रहा है या हमारे फाइदे के लिए। क्योंकि इस समय हर कोई अपने फाइदे की बात पहले करते रहते हैं। इसलिए विश्वासी उपचार करने वाले का कमाल हो जाता है क्योंकि उन पर इतना मोटा फैसले लेने का टेज नहीं लगा हुआ है। वो सिर्फ दे रहे हैं क्योंकि सामने वाले को जो देना है देकर चला जाना है। जो उपचार कर रहा है उसके दिमाग पर ये नहीं है कि अभी इनसे क्या मिलना है। तो उनकी पावरफुल ऊर्जा डाइरेक्ट उनको मिलती है। सामने वाला कम्पलीट विश्वास पर टिका होता है। फिर वह जादू हो जाता है। फिर लोग कहते हैं यह तो कमाल का जादू हो गया। इसलिए मैडिटेशन हमारे ऊर्जा क्षेत्र को पावरफुल बनाने में मदद करता है।

खुद का डर और तनाव सामने वालों पर भी असर डालता

भले हम गलत तरीके से धन नहीं कमा रहे परंतु खुद का तनाव भी सामने वाले पर बुरा असर डालता है। आज भी जब हम कोई जटिल सर्जरी करने जाते हैं तब हम कितनी भी सर्जरी किए हैं जो जीवन में परंतु थोड़ा सा डर उत्पन्न होता है। जब एक ऑपरेशन होने वाला होता तो उससे पहले कितनी तैयारी की जाती है। बहुत बातों का ख्याल रखते हुए भी एक बात का ध्यान प्रायः नहीं रख पाते वो है हमारे मन के विचार कैसे चल रहे हैं? तो हम ऑपरेशन थियोटर में जाने से पहले दो मिनट शांति में बैठ कर सकारात्मक विचार पर ध्यान देकर ही जाएं यह संभव है। आज तक नेचुरली कोई भी बड़े काम से पहले क्या करके जाते थे? जैसे परीक्षा के समय माया टेक कर निकलते थे। भगवान को याद करके जाते थे। जब छोटे-मोटे बातों के लिए भगवान को याद करके जाते थे तो जब किसी के जीवन के साथ काम करने जा रहे हैं तो उस परमात्मा को याद करके हमें हाथ लगाना चाहिए।

कोई भी कार्य को आरंभ करने से पहले परमात्मा को याद करें

अगर हम सर्जरी में जाने से पहले एक मिनट साइलेंस में बैठें और विचार करें कि मैं एक पावरफुल आत्मा हूं और भगवान मुझे अपने उपकरण के रूप में उसके लिए ऊर्जा करने जा रहा है। मैं केवल भगवान का भेजा हुआ उपकरण मात्र ही हूं। वह रोगी तो भगवान आपका बच्चा है उसकी सलामती के लिए आप मुझे सद्बुद्धि प्रदान करना। जो रोगी सर्जरी के लिए आया होता है वह तो प्रायः भगवान को याद कर के आया होता है। जितना देर डॉक्टर ऑपरेट करते उतना देर उसका परिवार बाहर मंदिर में बैठा होता है। वो लोग तो जुड़े हुए हैं ही भगवान से लैकिन मुख्य रूप से उनको भगवान से जुड़ने की आवश्यकता है जिसके हाथ में सारा पावर है। रोगी को कुछ भी करने का उस ऑपरेशन के टाइम पर। जैसे ही एक मिनट शांति में बैठेंगे और ऐसे विचार उत्पन्न करेंगे तो डर के विचार खत्म हो जाएंगे।



हमेशा अपनी ऊर्जा प्रवाह देने के मोड में रहे...

जब आप किसी से मिलते हैं तो प्रायः दो प्रकार के विचार मन में चलते हैं कि इन्हें क्या देना है और इनसे क्या मिलना है। तो हमारा ऊर्जा प्रवाह किस दिशा में होना चाहिए। हमें रोगी के नाते डॉक्टर को अपनी एनर्जी से सचारित करनी है तो ऊर्जा का प्रवाह किस दिशा में होना चाहिए? मुझे इसको क्या देना है? लेकिन थोड़ी विचार इस तरह की आई कि मुझे इससे क्या मिलना है तो जो मुझे मिलता है वह तो मिलना ही है। लैकिन सामने वाले को हमें क्या देना है? स्वतंत्रता दिवस के मौके पर आप ने प्रधानमंत्री का भाषण सुना होगा। उन्होंने बहुत सुंदर एक लाइन कही कि जब हम लोगों से मिलते हैं तो हम एक विचार उत्पन्न करते हैं कि इसमें मेरा क्या क्या है? अगर मेरा इसमें कुछ नहीं है तो मेरा क्या क्या जाता है? उसका मतलब सारा दिन हम लेने वाली अवस्था में है। इसमें मेरा क्या क्या है? मुझे क्या क्या मिलना है? और होना कौन सी अवस्था में था? मुझे तो देने वाले की अवस्था में होना था। मुझे इसको क्या क्या देना है? जितना हम देने वाले मोड में जाएंगे। उतना उपचार तुरंत काम करेगा। उतना सामने वाले को विश्वास में बांधना आसान हो जाएगा।



डॉ. अशय शुक्ला] विहेवियर साइटिस्ट
गोल्ड मेडिलिन इंटरवेशनल फ्लूप्रॉ राइटर्स रिलायंस अर्क्टिक
डायरेक्टर सोर्पीउल रिसर्च स्टडी एंड ट्रेनिंग सेंटर, बंगलोर, मध्य, मप्र

ब्रह्ममुहूर्त की पवित्रता में आत्मिक अनुभूति का आनंद

जीवन का मनोविज्ञान- 11

जीवन की विराटा के जीवंत प्रमाण वर्तमान युग के भीतर वैज्ञानिक एवं आध्यात्मिक दृष्टि से शरीर में जीवात्मा की उपस्थिति को सिद्ध करते हैं। आत्मिक अनुभूति का सुदृढ़ पक्ष स्वयं को अव्यक्त स्थिति तक पहुंचाने और आत्म कल्याण करने में सदैव सहायक होती है। व्यक्तिगत स्तर पर आत्म समृद्धि के लिए मनन-चिन्तन की क्रियाएं उस समय गैरव से भर उठती हैं जब आत्मा ब्रह्ममुहूर्त की पवित्रता को आत्मसात कर लेती है। स्वयं की अन्तर्मुखी अवस्था को अप्रत्यक्ष विवरण देती है जब अपनी ओर खींचती है तब आत्म अधिव्यक्ति की मुखरता - आनंद, ज्ञान, शांति, प्रेम, सुख, पवित्रता एवं शक्ति स्वरूप बन कर प्रकट होती है। आत्मिक अनुभूति के आनंद से अधिभूत मानव जीवन स्वयं को ब्रह्माण्ड के अन्तर्मुख स्वरूप तक पहुंचा देता है जहाँ प्रकृति के पंच तत्त्व की दिव्यता को अनहंद के भाव द्वारा सूक्ष्म जगत से अनुभव किया जा सकता है।

ईश्वरीय ज्ञान की शक्ति से सुख-शांति का अभ्युदय
स्वयं आत्मा के द्वारा व्यक्त सालिकता का परिवेश इतना व्यापक होता है कि सत्संग का परिणाम अपने शक्तिशाली स्वरूप में कार्य करने लगत

रियल
लाइफ

ओम राधे के जवाब को जज साहब ने गंभीरता से लिया

प्रजापिता ब्रह्मा बाबा

संस्थापक

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय

रियल लाइफ कॉलम में हम आपको प्रत्येक अंक में बताएंगे इस ईश्वरीय विश्व विद्यालय के मार्ग में क्या बाधाएं आईं और उनका सामना ब्रह्मा बाबा ने कितनी सरलता से किया.... जीवन को पलटने वाली अद्भुत जीवन कहानी पुस्तक से क्रमशः...

जज- दादाजी के कितने बच्चे हैं?

ओम राधे-जज साहब हम दादाजी के शरीर को नहीं देखती हैं। हमें तो दिव्य-चक्षु द्वारा साक्षात्कार होता है। अब आप ही बताइए कि भगवान के कितने बच्चे हैं? क्या कोई मनुष्य पूरी गिनती कर सकता है? भगवान तो त्रिलोकीनाथ हैं, सभी उनके बच्चे हैं। केवल हम उनकी बच्चियां या बच्चे नहीं बल्कि आप भी उनके बच्चे हैं।

जज साहब ये सभी उत्तर शांत होकर सुनते रहे और लिखते रहे। ओम राधे भी कठघरे से निचे उत्तर कर हमारी और आईं। जनता ने एक बार फिर तालियां बजाईं। विभिन्न समाचार-पत्रों के रिपोर्ट या संवाददाता भी कोई मैं बैठे ये प्रश्न-उत्तर लिख रहे थे। हम जज से विदाई लेकर चलो आईं।

दूसरे दिन प्रातः हमने कराची में लौटकर बाबा को सारा समाचार सुनाया परंतु बाबा को समाचार-पत्रों द्वारा पहले ही सब मालूम हो गया था। वे शांत, साक्षी और निश्चिन्त अवस्था में थे।

अब कराची में कन्याएं-मालाएं और परिवार ज्ञानामृत द्वारा

अपना जीवन उच्च बनाने लगे परंतु वहाँ जाने पर भी लोगों ने विरोध न छोड़ा। उन्होंने वहाँ के साथ टीएल वासवानी को भी भड़का कर अपने साथ मिलाया।

इस वृत्तांत के बारे में ब्रह्माकुमारी चन्द्रमणि जी ने इस प्रकार लिखा-एक और परीक्षा कराची में साथ टीएल वासवानी ने कन्याओं के लिए मीरा स्कूल खोल रखा था और वे सत्संग भी करते थे। एक दिन बाबा ने हम बच्चों को कहा कि आप जाकर साथ वासवानी जी को ईश्वरीय संदेश भी दे आओ और ज्ञान-वार्तालाप भी कर आओ। उन दिनों यह मालूम हुआ था कि साथ वासवानी जी ओम मंडली के विश्वदृष्टि पिकेटिंग करने की बात सोच रहे हैं। अतः बाबा ने हमें कहा कि वासवानी जी को कहना कि पहले आप स्वयं ओम मंडली को अच्छी तरह देखिए, वहाँ आने वाले सत्संगियों के अनुभव पूछिए और यूं ही सुनो-सुनाई बात पर कोई निर्णय न कीजिए और बिना जाने आंदोलन करने की भूल न कीजिए। अतः हम कुछ बहनें इकट्ठी होकर उनके पास गईं और ईश्वरीय

संदेश का एक ग्रामोफोन रिकॉर्ड भी साथ ले गई। हम लोगों से उनका ज्ञान-वार्तालाप हुआ। हमने उन्हें अपना अनुभव भी सुनाया और यह भी बताया कि अब परमपिता परमात्मा हमें क्या ज्ञान दे रहे हैं, उसका लक्ष्य क्या है, उससे हमें प्राप्ति क्या हुई है और उससे हमारे जीवन में परिवर्तन क्या आया है। यह सब सुनकर वासवानी जी बहुत खुश हुए। हमने बाबा की ओर से और ओम मंडली की ओर से ओम निवास में आने का निमंत्रण भी दिया।

वे कहने लगे- अच्छा, मैं आपके साथ ही चलता हूँ। वे हम सभी के साथ ही कार में बैठकर चलने लगे। ज्यों ही वे कार में बैठे त्यों ही कार के चारों ओर उनके सत्संग में आने वाले तथा प्रशंसक नर-नारी धेरा डालकर खड़े हो गए। उन्होंने कहा कि हम नहीं जाने देंगे। साथ वासवानी ने कहा कि डरिए नहीं, मैं एक घंटे में वापस लौट आऊंगा परंतु उन लोगों को यह झूटा डर था कि यदि वे भी वहाँ चले गए और इन पर भी ओम मंडली का ऐसा प्रभाव पड़ गया कि यह वहीं के हो गए तो हम सबका क्या होगा? अतः उन्होंने वासवानी जी को नहीं जाने दिया। आखिर वासवानी जी कार से उतर आए और बोले कि दादा से मिलने का बहुत ही मन था परंतु अभी नहीं चल सकूँगा, फिर कभी आऊंगा।

अब साथ वासवानी जी के शिष्यों ने तथा मुख्य लोगों ने उन्हें खुब भड़काया। एक दिन आया कि साथ वासवानी जी ने उन सभी के साथ मिलकर ओम निवास के बाहर पिकेटिंग की। हजारों लोग वहाँ इकट्ठे हो गए। सभी ने बहुत जोर से आकर्षण किया। वे दीवार तोड़कर अंदर भी घुस आए लेकिन शीघ्र ही पुलिस ने पहुंचकर सभी को भगा दिया। वासवानी जी को पुलिस ले गई। साथ वासवानी जी श्रीकृष्ण के भक्त थे और गीता में उनकी बहुत श्रद्धा थी। यदि लोग उन्हें न भड़काते और वे एक बार दादा से सम्मुख ज्ञान वार्तालाप करते तो वे पिकेटिंग न करते बल्कि बहुत ही खुश होते परंतु। अब पिकेटिंग से वातावरण और भी बिगड़ गया। मुख्य लोगों ने साथ वासवानी जी को भी साथ मिलाकर सिंधु सरकार पर दबाव डालना शुरू किया कि वह ओम मंडली पर प्रतिवध लगाए। इस कारण हिन्दू सदस्यों तथा मत्रियों ने मुख्यमंत्री तथा विधि मंत्री पर दबाव डाला और उन्हें धरमकियां भी दीं।

आगे क्या हुआ अगले अंक में क्रमशः....

पिछले अंक में आपने जाना कि किस तरह जज साहब ने ओम राधे से सवाल किए और कैसे ओम राधे ने उनका जवाब निरुद्धता के साथ दिया।

रोज मेडिटेशन करने से एकाग्रता की शक्ति बढ़ गई



संग्राम कुमारी

छात्रा, मेडिकल, इंटैक्यू
मायादेश

राजयोग के प्रयोग से प्रत्येक कार्य में मिलती है सफलता



दंगल कुमार

पैथोलॉजिस्ट (आस्था जाह)
बैग्सराय, बिहार

मेरी बहुत ज्यादा भूलने की प्रवृत्ति से बेहद परेशान रहती थीं। आत्म विश्वास दिन प्रतिदिन कम होता जा रहा था। इससे पढ़ाई में भी मन नहीं लगता था। मन नकारात्मक विचारों से भर कर मन को कमजोर किये जा रहा था। इसी क्रम में एक साल पहले मुझे ब्रह्माकुमारीज योग संस्थान की एक मैग्जीन पढ़ते हुए मेडिटेशन सीखने की प्रेरणा मिली। उसके बाद मैं अपने नजदीकी सेवाक्रद पर जा कर मेडिटेशन करने से मेरे अंदर गजब की एकाग्रता बढ़ने लगी। उसी के बदौलत आज मैं मेडिकल की छात्रा हूँ। इस उन्नती के लिए मैं परमात्मा और ब्रह्माकुमारीज संस्थान का बहुत-बहुत शुक्रगुजार हूँ। मैं युवाओं से अपील करूँगी कि वह अपने जीवन में राजयोग को अवश्य अपनाएं।

पिछले 15 वर्षों से लगातार ब्रह्माकुमारीज संस्थान के साथ सामाजिक सेवाओं में संलग्न होकर अपने को बेहद खुशी से व्यस्त रखता हूँ। खुद को 24 घंटे में 18 घंटा बिजी लाइफ होकर भी इसी लाइफ महसूस करता हूँ। मानो हर कठिन कार्य जैसे सहजता से हुआ ही पड़ा है। किसी भी तरह के विद्यु-बाधाओं को झेलना जैसे खेल बन चुका है। ऐसी सफलता का श्रेय ब्रह्माकुमारीज संस्थान द्वारा सिखाया जा रहा राजयोग मेडिटेशन के निरंतर अभ्यास को जाता है। इस प्रकार की अभ्यास विधि परमात्मा द्वारा दिया जा रहा वरदानी उपहार ही समझता हूँ जिसे अपनाकर मैं खुद को बेहद सौभाग्यशाली मानता हूँ। इतना मैं खुद के अनुभव से कह सकता हूँ कि राजयोग का प्रयोग प्रत्येक कार्य में अवश्य सफलता दिलाता है।



इस कॉलम में हम आपको हर बार ब्रह्माकुमारीज संस्थान एवं भाई-बहनों को मिले पुरस्कार या सम्मान से रुबरु कराएंगे। इस बार आप जानेंगे दादीजी जानकी को मिला लाइफ टाइम अचौकमेंट अवार्ड और बीके शिवानी को नारी शक्ति अवार्ड...

103 वर्षीय दादी जानकी को लाइफ टाइम अवार्ड से सम्मानित किया



सावित्रीबाई फुले विद्यापीठ द्वारा पुरस्कार स्वीकारते हुए दादी जानकी

शिव आमंत्रण दिल्ली। अन्तर्राष्ट्रीय आध्यात्मिक संस्थान ब्रह्माकुमारीज की मुख्य प्रशासिका 103 वर्षीय राजयोगिनी दादी जानकी जी आपने जीवन के 104वें वर्ष में हैं और विश्व भर में संस्थान के सदस्यों के लिए यह गौरव की बात है। जिस संस्था का नेतृत्व एक ऐसी महान हस्तिकरण करें तो वह अपने आप में ही गर्व का अनुभव करती है। दादी जानकी आज भी देश और दुनिया में चक्कर लगाकर बेहद की सेवाएं कर रही हैं और इसी कड़ी में दादी के मुंबई पहुंचने पर महाराष्ट्र जोन की तरफ से उनके 103वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में सहकार बड़ला में विशाल कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें 10 हजार से ज्यादा लोग शामिल हुए। इस मौके पर महाराष्ट्र जोन की दादी जानकी को लाइफ टाइम अचौकमेंट अवार्ड से नवाचा गया। महाराष्ट्र में सावित्रीबाई फुले पुणे यूनिवर्सिटी ने अपने 70वें स्पायना दिवस पर दादी जी को इस अवार्ड से सम्मानित किया। अपने-अपने क्षेत्रों में मानव जाति के लिए सेवाएं प्रदान करने वाले लोगों को सावित्री बाई फुले पुणे विश्वविद्यालय हर साल सम्मानित करता है। इस वर्ष विश्वविद्यालय ने दादी जानकी को सम्मानित किया। कूलपति प्रो. नितिन आर. करमलकर ने दादी जी द्वारा आध्यात्मिकता के क्षेत्र में किए गए अग्रणी प्रयासों के लिए दिल से उनकी प्रशंसा की।

बीके शिवानी को नारी शक्ति अवार्ड



शिव आमंत्रण दिल्ली। ब्रह्माकुमारीज संस्था की वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका तथा जीवन प्रबन्धन विशेषज्ञ बीके शिवानी को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने यह अवार्ड प्रदान किया। राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति ने यह अवार्ड प्रदान किया। ब्रह्माकुमारी शिवानी को यह अवार्ड समाज में प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में मूल्यों के समावेश के महत्वपूर्ण योगदान के लिए दिया गया। बीके शिवानी लंबे समय से ब्रह्माकुमारीज संस्थान से जुड़ी हैं और जीवन प्रबन्धन, मन प्रबन्धन समेत तमाम विषयों पर लाखों लोगों के सकारात्मक बदलाव के लिए महत्वपूर्ण कार्य किया है।

अगले अंक में आप जानेंगे संस्था की अन्य उपलब्धियों के बारे में... पढ़ते रहिए शिव आमंत्रण।

४ विज्ञान, आध्यात्म, शिक्षा और पर्यावरण विषय पर दिल्ली में वैश्विक सम्मेलन आयोजित मूल्यों को पढ़ने की जगह अपने जीवन में लाकर उदाहरणमूर्त बनना होगा: एरनेस्टो

शिव आमंत्रण ➡ नई दिल्ली। जो सूक्ष्म शरीर आत्मा और भौतिक शरीर में सम्बन्ध स्थापित कर लेता है वह प्रकृति से जुड़ जाता है। क्योंकि यह शरीर भी उन पांच तत्वों से बना है जो प्रकृति के तत्व हैं। आध्यात्मिकता यानी आत्मा की शक्ति जो कि संकल्प तरंग हैं वह किसी दूसरे तक पहुंचना विज्ञान है। यह बात मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जल संसाधन एवं पारिंत्यामेंट्री अफेयर्स केन्द्रीय राज्यमंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने कही। ब्रह्माकुमारीज संस्थान और बन एवं पर्यावरण तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से विज्ञान, आध्यात्म, शिक्षा और पर्यावरण विषय पर वैश्विक शिखर सम्मेलन तालकटोरा सभागार में आयोजित किया गया।

मैक्सिको के अर्थसास्ती एरनेस्टो कैस्टलनोस ने कहा भ्रष्टाचार चारों ओर फैल रहा है। इसके लिए अपने अन्दर परिवर्तन की शक्ति लानी होगी जिससे समाज में परिवर्तन कर सकें। हम मूल्यों के बारे में पढ़ते हैं लेकिन उन्हें अपने जीवन में लाकर उदाहरण रूप बनना होगा। हमें विज्ञान, आध्यात्म, शिक्षा और पर्यावरण सभी में ऐसे ही नेतृत्व की आवश्यकता है जिनसे सोचने, बोलने और करने में समानता हो।

वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके अनुसुइया ने कहा बाहर के धुएं को, प्रदूषण को नियन्त्रण करने के लिए तो कानून बनते हैं लेकिन मानव के अन्दर की मूल्यजय ने कहा कि भारत में स्वच्छता होगी तो विश्व भी स्वच्छ बन जायेगा। ग्रैमी पुरस्कार विजेता पदमभूषण पं. विश्व मोहन भट्ट ने म्यूजिक कन्सर्ट से सभी को मंत्रमुद्ध कर दिया। केन्द्रीय विज्ञान और पर्यावरण मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने कहा मानवता के कल्याण हेतु विज्ञान और अध्यात्मिकता साथ-साथ काम कर। आध्यात्म और विज्ञान आपस में परिपूरक हैं, विरोधी नहीं हैं। इस देश का मूल संस्कार निष्काम कर्मयोग है और मानवता ही सच्चा धर्म है उसी के लिए कार्य करना है। सत्यता, ईमानदारी, प्रेम तथा करुणा, कर्म और इश्वरीय शक्ति हमें सफलता की चर्म सीमा पर ले जाती है। अन्तिम विजय सत्य की होगी। आप ईमानदारी, गहराई और प्रमाणिकता के साथ प्रेम की शक्ति लाएं में जागृत करने का कार्य कर रहे हैं।



विज्ञान, आध्यात्म, शिक्षा और पर्यावरण विषय पर वैश्विक सम्मेलन का उद्घाटन करते अतिथि।

आध्यात्मिकता और राजयोग से ही नियंत्रित किया जा सकता है। डॉट ड्रिक एंड ड्राईव होता है लेकिन ड्रिक ही न करें यह जरूरी है।

बाइस एडमिरल सतीश एन घोरामाडे ने कहा कि राजयोग जो भगवान सिखाते हैं वह दिनोंदिन ज़रूरी होता जा रहा है क्योंकि राजयोग ही विज्ञान और अध्यात्मिकता के बीच सम्बन्ध जोड़ता है। ब्रह्माकुमारी के राजयोग और मूल्य शिक्षा से मन को शान्त व सुरक्षित कर समाज, देश व पर्यावरण को सुरक्षित किया जा सकता है। कार्यकारी सचिव बीके मूल्यजय ने कहा कि भारत में स्वच्छता होगी तो विश्व भी स्वच्छ बन जायेगा। ग्रैमी पुरस्कार विजेता तथा मशहूर पर्यावरण एक्टिविस्ट रिकी केज एवं विश्व

ग्रैमी पुरस्कार विजेता पदमभूषण पं. विश्व मोहन भट्ट ने म्यूजिक कन्सर्ट से सभी को मंत्रमुद्ध कर दिया। केन्द्रीय विज्ञान और पर्यावरण मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने कहा मानवता के कल्याण हेतु विज्ञान और अध्यात्मिकता साथ-साथ काम कर। आध्यात्म और विज्ञान आपस में परिपूरक हैं, विरोधी नहीं हैं। इस देश का मूल संस्कार निष्काम कर्मयोग है और मानवता ही सच्चा धर्म है उसी के लिए कार्य करना है। सत्यता, ईमानदारी, प्रेम तथा करुणा, कर्म और इश्वरीय शक्ति हमें सफलता की चर्म सीमा पर ले जाती है। अन्तिम विजय सत्य की होगी। आप ईमानदारी, गहराई और प्रमाणिकता के साथ प्रेम की शक्ति लाएं में जागृत करने का कार्य कर रहे हैं।



सीख

माझंड बॉडी मेडिसिन पर राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस आयोजित, देशभर के विशिष्ट चिकित्सक जुटे

मन की बीमारी ठीक तो सभी बीमारियों का इलाज संभव



सम्मेलन का उद्घाटन करते अतिथि तथा सभा में उपस्थित देशभर से पधारे डॉक्टर्स।

शिव आमंत्रण ➡ आबूद्योड़। ब्रह्माकुमारीज संस्था के शास्त्रिवन में माझंड बॉडी मेडिसिन का 37वां प्राकृतिक तरीके से रहते थे तो बीमारियों की गुंजाइश कम थी। लेकिन आज जितनी तेजी से जीवनशैली बदल रही है उन्हीं ही गति से नई-नई बीमारियां भी फैल रही हैं। यदि सकारात्मक सोच और मन को स्वस्थ बनाया जाए तो निश्चित तौर पर इस पर नियन्त्रण पाया जा सकता है। क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में दिनचर्या और जीवनशैली में तेजी से बदलाव हो रहा है। ब्रह्माकुमारीज संस्था के महासचिव बीके निवैरं ने कहा कि जब चिकित्सक सकारात्मक होंगे

सर्वांगीण विकास होगा। पहले के समय में लोग प्राकृतिक तरीके से रहते थे तो बीमारियों की गुंजाइश कम थी। लेकिन आज जितनी तेजी से जीवनशैली बदल रही है उन्हीं ही गति से नई-नई बीमारियां भी फैल रही हैं। यदि सकारात्मक सोच और मन को स्वस्थ बनाया जाए तो निश्चित तौर पर इस पर नियन्त्रण पाया जा सकता है। क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में दिनचर्या और जीवनशैली में तेजी से बदलाव हो रहा है। ब्रह्माकुमारीज संस्था के महासचिव बीके निवैरं ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस दौरान कॉन्फ्रेंस में आए सभी डॉक्टर्स को हीलिंग पावर की टेक्नीक भी बताई गई।



अलबिदा
डायबिटीज

पिछले अंक से क्रमशः



बीके डॉ. श्रीमंत कुनवर
मधुमेह विशेषज्ञ,
ब्रह्माकुमारीज संस्थान

बीमारी एक परंतु रूप अनेक

डायबिटीज (मधुमेह) के विभिन्न प्रकार:

टाइप टू डायबिटीज

आज समग्र विश्व में महामारी के रूप में दिखाई देने वाली मुख्य रूप में यह टाइप टू डायबिटीज की बीमारी है। समुद्राय डायबिटीज मरीजों में से लगभग 95 प्रतिशत यह टाइप टू से ग्रसित दिखाई देते हैं। इस प्रकार की डायबिटीज प्रायः 30 वर्ष से उर्ध्व व्यक्तियों में ही पाया जाता है। और विशेषतः हमारे जीवन शैली में व्यतिक्रम के कारण ही उत्पन्न होता है। हालांकि यह एक अनुवांशिक बीमारी है अर्थात् माता पिता यदि इससे ग्रसित हैं तो बच्चों को भी यह बीमारी हो जाती है। परंतु आजकल माता-पिता संपूर्ण रूप से स्वस्थ होते हुए भी अल्प व्यस्क बच्चों में भी यह बीमारी दिखाई देने लगी है, जिसे टाइप टू डायबिटीज ऑफ दी यांग भी कहा जाता है। इसका मुख्य कारण हमारी अस्वस्थकारी जीवन शैली है। टाइप टू डायबिटीज से ग्रसित मरीज अधिकतर शारीरिक रूप से मोटे पाए जाते हैं। परंतु कुछ एक संबंधक व्यस्क मरीज शारीरिक रूप से पतले-दुबले भी दिखाई देते हैं।

टाइप टू डायबिटीज के मुख्य कारण

- शारीरिक मोटापा (OBESITY)
- अधिक भोजन (OVER EATING)
- शारीरिक श्रम का अभाव (LACK OF EXERCISE/SEDENTARY LIFE)
- अत्यधिक कार्य व्यस्तता (OVERWORKED)
- शहरी जीवनशैली (URBANISATION)
- बढ़ती उम्र (AGING)
- स्टेरेंड (STEROID) की दवाओं का लंबे समय तक सेवन
- अधिक मिठाइयां नियमित रूप में खाना
- मानसिक दुश्चिन्ता
- अस्वास्थ्यकर भोजन (JUNK FOOD, FAST FOOD, UNHEALTHY FOOD)
- अनाज फल और सब्जियों में प्रोग्रेस होने वाली रसायनिक विषेशता दवाइयां (CHEMICALS AND PESTICIDES)

टाइप टू डायबिटीज के लक्षण

मुख्यतः यह एक खामोश बीमारी है। टाइप वन की तरह यह अचानक शुरू नहीं होती है। प्रायः 10-12 साल तक यह बीमारी पहले बार्डरलाइन (प्री डायबिटिक) स्टेज में रहती है। फिर जब ब्लड शुगर 200-300 मी.ली.प्रतिशत होता है, तब तक शरीर में इसके दुष्प्रभाव भी दिखाई देने लगते हैं। बहुत कम संबंधक मरीजों में कुछेक लक्षण अनुभव होते हैं। जैसे कि...

- अधिक प्यास लगाना वा गला सूखना
- बार-बार पेशाब आना (रात में 3-4 बार नींद से जागकर पेशाब जाना)
- अधिक भूख लगाना, शरीर में बार-बार फोड़े निकलना
- घाव का जलदी ठीक न होना
- सारे शरीर में खुजली होना
- सारा दिन थका-थका महसूस करना इत्यादि

कुछ विशेष ज्ञातव्य बातें

- ✓ क्योंकि यह एक खामोश बीमारी है, 20 वर्ष से अधिक प्रत्येक व्यक्ति को साल में एक बार अपना ब्लड शुगर अवश्य चेक कर लेना चाहिए। ब्लड शुगर चेक करने का सही तरीका निम्न प्रकार है:-
- ए सर्व-सर्वेर खाली पेट (ग्राही भोजन के बाद कम से कम 8 घंटा खाली पेट होना चाहिए) लेबोरेटरी में जाकर चेक करायें, इसे फास्टिंग ग्लूकोज टेस्ट कहा जाता है।
- बी सर्वेर खाली पेट 75 ग्राम, एनाहाइड्रस ग्लूकोज पाउडर 250-300 मी.ली.पी.ली.प्रतिशत देश करना चाहिए।
- ✓ जो मोटे हैं, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, कोलेस्ट्रॉल, थायराइड संबंधित बीमारियां तो साल में एक बार ब्लड शुगर चेक करा लेना चाहिए।
- ✓ गर्भवती महिलाएं प्रारंभ में और हर तीन महीने में एक बार अवश्य चेक करायें। यदि पीसीओडी तथा हायोन्स संबंधित बीमारियां हैं तो शुगर जरूर चेक करायें। टीनएजर्स बच्चे भी मोटे हैं तो चेक करायें।
- ✓ अति कार्य व्यस्तता, तनाव ग्रसित व्यक्तियों को भी बीच-बीच में शुगर चेक कराते रहना चाहिए।

यहां करें संपर्क:-

बीके जगतजीत, मो.: +919413464808, पेशेट रिलेशन ऑफिसर,
ब्रह्माकुमारीज संस्थान ऑफिसर, माउंट आबू, जिला-सिरोही,
राजस्थान (झारखंड)

५ एशिया बुक रिकॉर्ड होल्डर जादूगर हैरी ने दिखाए हैरतअंगेज कारनामे

राजयोगी जादूगर के कारनामों ने किया अचंभित



जैकपॉट महोत्सव में जादूगर हैरी के साथ मंत्रीण तथा जनसमूह।

शिव आमंत्रण अंबिकापुर/छत्तीसगढ़। अंबिकापुर में इण्डिया व एशिया बुक रिकॉर्ड होल्डर एवं राजयोगी जादूगर सम्प्राट हैरी ने अपने जादुई कारनामों से लोगों को दातांते तले उंगली दबाने पर मजबूर कर दिया। कहीं खाली हाथों से नोटों की बारिश, दिल्ली का मीना बाजार, पिंजड़े से पंछी सबके सामने देखते ही देखते गायब कर देना ऐसे एक से बढ़कर एक कारनामे दिखाये। सम्प्राट हैरी ने अतिथियों का सम्मान जादूगरी से अभिनंदन पत्र बनाकर किया। जिससे अतिथियां अति उत्साहित हो गये। जिसमें उपस्थित थे - कैबिनेट मंत्री टी.एस. सिंहदेव, गृह मंत्री चरण दास महंत, कलेक्टर सारांश मित्र, एस.पी. सदानन्द कुमार, पडिशनल एस.पी. रामकृष्ण, जिला सी.इ.ओ. नम्रता गांधी, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष सीतापुर अपने जादुई कारनामों से 3000 लोगों को दातांते तले उंगली दबाने पर मजबूर कर दिया। जिसमें अतिथि के रूप में एडिशनल एस.पी. रामकृष्ण,

महापौर अजय तिर्की, पार्षद मनोज कंसारी उपस्थित हुए। खाली हाथों से नोटों की बारिश, दिल्ली का मीना बाजार, पिंजड़े से पंछी सबके सामने देखते ही देखते गायब कर देना ऐसे एक से बढ़कर एक कारनामे दिखाये। सम्प्राट हैरी ने अतिथियों का सम्मान जादूगरी से अभिनंदन पत्र बनाकर किया। जिससे अतिथियां अति उत्साहित हो गये। जिसमें उपस्थित थे - कैबिनेट मंत्री टी.एस. सिंहदेव, गृह मंत्री चरण दास महंत, कलेक्टर सारांश मित्र, एस.पी. सदानन्द कुमार, पडिशनल एस.पी. रामकृष्ण, जिला सी.इ.ओ. नम्रता गांधी, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष सीतापुर अपने जादुई कारनामों से 3000 लोगों को दातांते तले उंगली दबाने पर मजबूर कर दिया। जिसमें अतिथि के रूप में एडिशनल एस.पी. रामकृष्ण,

कारनामों के माध्यम से वसुधैव कुटुम्बकम की भावना जागृत करने के लिए सभी को धर्म का दर्शन कराते हुए बताया, कि सर्व आत्माओं के पिता निराकार परमिता परमात्मा शिव ही हैं। उपस्थित जनसमूह तब आश्वर्यचिकित हो गया जब जादूगर हैरी ने एक ब्लेड दातांते से चबाकर खाया और मुँह से ही कतारबद्ध 200 ब्लेड निकालते गय। सराजुना संभाग के चार जिलों में भी सम्प्राट हैरी ने अमित छाप छोड़ी। जिसके अंतर्गत बैकूण्ठपुर (1500 लोग), सूरजपुर (1000 लोग), बलरामपुर (1200 लोग), रामानुजांज (900 लोग), प्रतापपुर (1500 लोग) बतौली (2000 लोग), लखनपुर (2000 लोग), सेंट्रल जेल अंबिकापुर में (2000 कैदियों) का समावेश था।

बसंत पशु मेले में आध्यात्मिक प्रदर्शनी का उद्घाटन



दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन करते अतिथि एवं उपस्थित जनसमुदाय।

शिव आमंत्रण गंगतपुर/याज। नगरपालिका बसंत पशु मेला एवं प्रदर्शनी का उद्घाटन राजस्थान सरकार के गृह रक्षा एवं नागरिक सुरक्षा विकास मंत्री भजनलाल जाटव, नदर्बई के विधायक योगेंद्र अवाना, रूपवास बयाना के विधायक अमरसिंह जाटव के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज को भी मुख्य रूप से आमंत्रित किया गया। ब्रह्माकुमारी बहनों के द्वारा राजस्थान सरकार के गृहमंत्री भजनलाल जाटव, नदर्बई प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में अपनी शुभकामना देते हुए परशुराम मीणा ने कहा, कि इस कार्यक्रम ने मेले की सुंदरता को बढ़ाया है, मेरी यही शुभकामना है कि यह संस्था दिनेदिन प्रगति करती रहे। वरिष्ठ

दिया गया। इस अवसर पर आध्यात्मिक चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन रूपवास के उपचण्ड अधिकारी परशुराम मीणा, रूपवास विकास मंत्री के संयोजक कोशु पहलवान, रूपवास मेला परमात्मा एवं प्रबंधक गोपाल सिंह, वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बोके बबीता, बोके कमलेश की उपस्थिति में रिबन काटकर एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में अपनी शुभकामना देते हुए परशुराम मीणा ने कहा, कि इस कार्यक्रम ने मेले की सुंदरता को बढ़ाया है, मेरी यही शुभकामना है कि यह संस्था दिनेदिन प्रगति करती रहे। वरिष्ठ

राजयोग शिक्षिका बीके बबीता ने मेले का आध्यात्मिक रहस्य बताते हुए कहा, कि मेला मिलन और मिलाप का प्रतीक है, जब आत्मा परमात्मा से बिछड़कर मैली हो जाती है तब परमात्मा आकर हमें सतोप्रधान बनाते हैं जिसकी यादगार में ये मेले मनाये जाते हैं। बीके गीता, बीके कमलेश, बीके सुनीता के द्वारा सभी अतिथियों को प्रदर्शनी का अवलोकन कराया गया। कु. पूजा के द्वारा दिव्य नृत्य प्रस्तुत किये गए। इस अवसर पर हजारों भाईं-बहनों ने इस कार्यक्रम का लाभ लिया। बीके जयसिंह, बीके मिठन, बीके योगिता आदि भी उपस्थित रहे।

जहरीले फल रूपी बुराइयां शिव पर अर्पित करें तो जीवन श्रेष्ठ बन जाएगा



महाशिवरात्रि पर पधारे 83वीं अवतरण मनाने पहुंचें अतिथि।

शिव आमंत्रण गीलाईनगर/देवी देवताओं को श्रीफल और फल चढ़ाकर हम उसे प्रसाद के रूप में ग्रहण करते हैं पर परमात्मा शिव पर अक धूतरा जहरीला फल अर्पित करते हैं। यदि हम अपने जीवन के जहरीले फल रूपी बुराइयां शिव पर अर्पित करें तो हमारा जीवन के समय दुसरों की बातों के गांठ बांध मन में रख लेते हैं यही गांठ बिमारी बन जाती है, जिसे की आज शिव पर चढ़ाना है। शिव पर बरं के रूप में वैर विरोध चढ़ाना है। हमें निवैर, निर्भय बनाना है। उक्त उदारां प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा सेक्टर-7 पीस ऑडिटोरियम

बड़वानी जेल में बंदियों को बताया अच्छे कर्म और सोच का महत्व



बड़वानी जेल अधीक्षक डी.एस. अलावा को ईश्वरीय सौगात देते हुए बीके भगवान।

शिव आमंत्रण बड़वानी/गग्ना। बड़वानी के केन्द्रीय जेल में कर्म गति विषय पर कार्यक्रम आयोजित हुआ, जहां माउण्ट आबू से आए वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षक बीके भगवान ने कैदियों को अच्छे कर्म करो और महान व्यक्ति बनों का संदेश दिया। कार्यक्रम में जेल अधीक्षक डी.एस. अलावा मुख्य रूप से उपस्थित थे। आगे कन्या हॉस्टल में नैतिक शिक्षा की आवश्यकता विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें सीनियर प्राचार्य डॉ. कविता भाद्रिया, प्राच्यापिका डॉ. स्लेहलता मुजालादा ने भी बच्चों को सम्बोधित किया। ऐसे ही मधुबन नरिंग कॉलेज, नर्मदा कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल तथा आनंद नगर में नैतिक शिक्षा की आवश्यकता और सकारात्मक विचारों से तनावमुक्ति विषय पर कार्यक्रम आयोजित हुए। जहां बीके भगवान ने बच्चों का मार्गदर्शन किया।

नैतिक शिक्षा को भी अपनाने पर बल दिया। इस दौरान उपस्थित बच्चों ने भी अपने अनुभव सुनाए। इसी क्रम में शासकीय कन्या महाविद्यालय में नैतिक शिक्षा से चरित्रवान जीवन विषय पर आयोजित कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. पुरुषोत्तम गौराम, सीनियर प्राचार्य डॉ. कविता भाद्रिया, प्राच्यापिका डॉ. स्लेहलता मुजालादा ने भी बच्चों को सम्बोधित किया। ऐसे ही मधुबन नरिंग कॉलेज, नर्मदा कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल तथा आनंद नगर में नैतिक शिक्षा की आवश्यकता और सकारात्मक विचारों से तनावमुक्ति विषय पर कार्यक्रम आयोजित हुए। जहां बीके भगवान ने बच्चों का मार्गदर्शन किया।

सड़क सुरक्षित है पर मन असुरक्षित, रोजाना 400 मौतों में 250 बाइक सवार शामिल



दीप प्रज्वलन कर सड़क सुरक्षा सप्ताह कार्यक्रम का प्रारंभ करते अतिथि।

शिव आमंत्रण गीलाईनगर/राजस्थान।

सड़क सुरक्षा सप्ताह के कार्यक्रम में ट्रैफिक पुलिस उपनिरीक्षक भागीरथ सिंह ने कहा, कि सड़क तो सुरक्षित है पर मन असुरक्षित है। इसलिए प्रतिदिन सड़क दुर्घटना से 400 लोगों की मृत्यु होती है जिसमें से 250 लोग बाइक सवार होते हैं। दुर्घटनाओं से बचाव के लिए ट्रैफिक नियमों का पालन करें, वाहन की गति पर नियंत्रण रखें, बहुत तेज वाहन न चलायें, सीट बेल्ट व हेलमेट का उपयोग करें, पूरी नींद करके वाहन चलायें, दिमाग स्थिर रखें व मन शांत रखें तो दुर्घटनाएं नहीं होंगी। राजस्थान के भीलवाड़ा में सड़क सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत संस्थान के 'ट्रांसपोर्ट एवं ट्रेवल

विंग' व मोटर पार्ट्स डीलर्स एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में 'सुरक्षित एवं खुशनुमा यात्रा' विषय पर ट्रांसपोर्ट मार्केट में कार्यशाला का आयोजन हुआ। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य था ट्रांसपोर्ट व्यवसाय से जुड़े लोगों को आध्यात्मिकता द्वारा मन को तनाव मुक्त व प्रसन्न रखने की कला सिखाना। कार्यक्रम में उपस्थित ट्रैक ड्राइवर को लकी कार्ड दिए गए व अतिथियों को स्लोगन प्लेट दी गयी। कार्यक्रम का शुभारम्भ परमात्म स्मृति एवं दीप प्रज्वलन कर हुआ। इसके अंतर्गत ट्रांसपोर्ट व्यवसायी, ट्रैक ड्राइवर व आम जनता ने भाग लिया।

में आयोजित कार्यक्रम विषय विनाशक महायज्ञ के अवसर पर ब्रह्माकुमारी गीता ने कही। महाशिवरात्रि पर्व का आध्यात्मिक अर्थ बताते हुए तो भी अपने आशीर्वचन में कहा कि भाग्य विद्याता, वरदाता, और भोलेनाथ का दिन है महाशिवरात्रि पर्व। कार्यक्रम के अंत में सभी ने जो सुना है उसे आत्मसात करने वारज्योग द्वारा गहन शांति का अनुभव कर स्थिर मन से स्वयं की चोकिंग करके अपनी बुराइयों को लिखकर शिव पर अर्पित किया। कार्यक्रम का सुंदर मंच ब्रह्माकुमारी माधुरी ने किया। यह विषय विनाशक महायज्ञ मध्यप्रदेश, राजस्थान, ओडिशा और छत्तीसगढ़ के पांच सो से भी अधिक सेवाकेन्द्रों में एक ही दिन, एक ही समय में मनाया गया।

५ मलाड के एक्सपीरिएंसिंग हीलिंग पावर ऑफ साइलेंस विषय पर बीके जयंती के उद्गार... परमात्मा की याद से कर सकते हैं विश्व का परिवर्तन



मलाड के ऐस्पी ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में सभा को संबोधित करती बीके जयंती व उपस्थित जनसमुदाय।

शिव आमंत्रण ➔ मलाड/मुंबई। मलाड में आगमन पर ऐस्पी ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज की यूरोप एवं मिडिल ईस्ट की निदेशिका बीके जयंती ने कहा, विश्व में चारों ओर बढ़नी बीमारियां और अज्ञान अंधकार होने के कारण मानव दिशाविहीन बन गया है। इसी समय ज्ञानसूर्य परमात्मा शिव का अवतरण हुआ है। उसकी याद से सिर्फ बीमारियों पर ही नहीं, बल्कि विश्व का परिवर्तन कर सकते हैं। संस्था में यूरोप एवं मिडिल ईस्ट की निदेशिका बीके जयंती के मुम्बई प्रवास के

दौरान मलाड में आगमन पर इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। यहां विशेष ब्रह्माकुमारीज संस्था के सहयोगी सदस्यों द्वारा बीके जयंती का सम्मान किया गया। इन सदस्यों में अमेरिका स्प्रिंग इंडस्ट्रियलिस्ट किरण पटेल, सूचक हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. अनिल सूचक, जगदीश ठक्कर, सीनियर स्पिटीजन ग्रुप के फाउण्डर सुशील सिंधानिया तथा केतन और वैष्णो देवी टैम्पल मलाड के ट्रस्टी गिरिश शामिल रहे। बीके जयंती ने कहा, सूरज का उदय होने के बाद सब उसको देखते हैं। लेकिन

कॉलेज स्टूडेंट ने बाइक रैली से दिया जागरूकता का संदेश, लोगों को बताए यातायात के नियम



शिव आमंत्रण ➔ मलाड/मुंबई। मुम्बई में ब्रह्माकुमारीज, मलाड द्वारा सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मुम्बई ट्रैफिक पुलिस और डालमिया कॉलेज का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर विशेष रूप से आए टी.वी. और फिल्म अभिनेता ऋषिकेश पाडे ने उपस्थित बच्चों को यातायात के नियमों का विशेष रूप से पालन करने के अपील की। कार्यक्रम में आर.टी.ओ. पुलिस इंस्पेक्टर हीतेन्द्र भवसार, कॉलेज की वाइस प्रिसिपल माधवी, मलाड सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके कुंती ने भी युवाओं को प्रेरित किया। इसी क्रम में लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए शहर में टू व्हीलर रैली का भी आयोजन हुआ, जिसको बीके कुंती ने हरी झंडी दिखाकर रखाना किया। जिसके पश्चात् रैली के प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट प्रदान किए गए।

संस्कृति

संस्कृति और सभ्यता की धरोहर हमारा देश....

अद्वितीय संस्कृति और सभ्यता की धरोहर है भारत वर्ष: बीके प्रशांति

शिव आमंत्रण ➔ छतरपुर/गण्ड। भारत दुनिया भर में एक समृद्ध और प्राचीन विरासत, महत्वपूर्ण इतिहास और सबसे पुरानी संस्कृति, अद्भुत कला और साहित्य विशाल जनसाधिकी, कई धर्म, जातियाँ और पंथ वाले देश के रूप में जाना जाता है। इसके साथ-साथ अनेकानेक दार्शनिक स्थल, पर्यटन स्थल और मनोरम प्राकृतिक स्थलों की भी विरासत है। भारत देश की विविधता व अनेकता में एकता के कारण ही सारा विश्व के लिए आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है और यातायात विभाग के माध्यम से सारा विश्व भारत में आकर शिक्षा ले रहा है। उक्त व्याख्यान मुम्बई से पथारी बीके प्रशान्ति बहन ने छतरपुर पुलिस कंट्रोलरूम स्थित कॉफेस हॉल में सभा के समक्ष व्यक्त किये।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के शिरिंग, एविएशन, ट्रूस्म प्रभाग द्वारा “मेरा देश मेरी शान” अभियान चलाया जा रहा है जिसका लक्ष्य विश्व के कोने-कोने तक भारत की महान संस्कृति और सभ्यता का परचम लहराना है। इसके अंतर्गत 70वां गणतन्त्र दिवस पर दिनांक 26 जनवरी 2019 से 01 फरवरी 2019 तक एक अभियान यात्रा भोपाल से खजुराहो की ओर निकाली जा रही है जो आज दिनांक- 31 जनवरी को



अभियान के साथ बीके रमा, बीके कल्पना, बीके कमला, बीके ओमप्रकाश, बीके धीरज एवं छात्रायें उपस्थित रहे।

छतरपुर पहुंची जिसके अंतर्गत नगर में कई कार्यक्रम आयोजित किए गये। अभियान में मुख्य वक्ता के रूप में मुम्बई की बीके प्रशान्ति बहन, ग्वालियर से बीके ज्योति बहन, आशीष भाई एवं जय भाई शामिल रहे। अभियान के अगले पड़ाव में पुलिस लाईन अंतर्गत पुलिस कंट्रोल रूम स्थित कॉफेस हॉल में पुलिस कर्मियों के साथ नवागत पुलिस अधीक्षक छतरपुर तिलक सिंह के मांगदर्शन में सफल हुआ जिसमें बतमान परिस्थितियों में खुश कैसे रहे इसके लिए

“डोन्ट वरी बी हैप्पी” विषय को बड़ी ही सहजता से बीके प्रशान्ति बहन ने स्पष्ट किया

साथ ही ग्वालियर से पथारी बीके ज्योति बहन ने सभा को मेडिटेशन का अभ्यास कराया। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक तिलक सिंह ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम की बतमान समय में पुलिस महकमे को अत्यंत आवश्यकता है। साथ ही उन्होंने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम युवा पुलिस सेनानी को उनके कार्य के प्रति कर्तव्यनिष्ठ बनाने में सहायक हैं। इस

मौके पर रक्षित निरीक्षक योगेन्द्र सिंह प्रमुख रूप उपस्थित रहे।

अभियान का अगला पड़ाव केन्द्रीय विद्यालय छतरपुर में नहे-मुहे विद्यार्थियों के बीच बीके प्रशान्ति बहन ने “रिचार्जिंग टेक्निक” विषय पर उद्घोषण देते हुए मेडिटेशन द्वारा वार्षिक परीक्षा में अधिकतक अंक प्राप्त करने की विभिन्न विधियाँ मनोरंजक अंदाज में सिखाईं। इस मौके पर अतिथि के तौर पर विद्यालय प्राचार्य विश्व एवं निकाली ने कार्यक्रम की प्रशान्ति विभाग के अध्यक्ष बीके मृत्युंजय तथा अन्य अतिथियों के द्वारा हुआ। अत्यन्त हर्ष की बात है कि वैल्यू एजुकेशन की सेवायें दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही हैं।



पड़ाव पं. देवप्रभाकर शास्त्री इंजीनियरिंग कॉलेज में सम्पन्न हुआ जिसमें बीके आशीष भाई ने विद्यार्थियों को मोटीवेट करते हुए उन्हें जीवन का लक्ष्य कैसे निर्धारित करें विषय पर प्रकाश डाला साथ ही साथ प्रशान्ति बहन ने मेडिटेशन के अभ्यास द्वारा स्मरण शक्ति वृद्धि करने के उपाय सुझाये। अंत में कॉलेज प्राचार्य जे. सोनी ने कार्यक्रम की प्रशान्ति की अग्रवाल, एवं बीके धीरज उपस्थित रहे।

ब्रह्माकुमारीज को महात्मा गांधी व्यसन मुक्ति सेवा पुरस्कार से नवाजा



शिव आमंत्रण ➔ चंद्रपुर/महाराष्ट्र। महाराष्ट्र सरकार के सामाजिक न्याय एवं विशेष सहाय विभाग द्वारा चंद्रपुर में 7वें राज्यस्तरीय व्यसनमुक्ति सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया। व्यसनमुक्ति क्षेत्र में की गई सराहनीय सेवाओं के लिए यह पुरस्कार प्रदान किया गया। यह पुरस्कार गृह राज्यमंत्री हंसराज अहिर, राज्य वित्त मंत्री सुधीर मुनागांटीवार, समाज कल्याण मंत्री राजकुमार बड़ोली तथा जेष्ट समाजसेवी तथा सम्मेलन के अध्यक्ष पद्मश्री डॉ. अभय बंग समेत अन्य कई प्रतिष्ठित हस्तियों ने ब्रह्माकुमारीज के व्यसनमुक्ति अभियान के निदेशक बीके डॉ. सचिन परब, कल्याण सबजोन प्रभारी बीके अल्का, बीके कुंदा तथा देगलूर सेवाकेन्द्र की संचालिका सुमंगला समेत अन्य बीके बहनों को सम्मान दिया। सम्मेलन में ब्रह्माकुमारीज द्वारा व्यसनमुक्ति प्रदर्शनी और लिटरेचर प्रदर्शन का आयोजन किया गया था, जिसका उद्घाटन अभय बंग समेत अन्य महानुभावों ने अपने कर कमलों से किया।

अन्नामलाई विश्वविद्यालय में ब्रह्माकुमारीज के 6 और प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम शुरू



शिव आमंत्रण ➔ नांगट आबू। ब्रह्माकुमारीज संस्थान के शिक्षा प्रभाग द्वारा पिछले 10 वर्षों से अन्नामलाई विश्वविद्यालय के तकनीकी सहयोग से 14 पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक चल रहे हैं, जिसका अभी तक 20 हजार से ज्यादा लोगों ने लाभ लिया है। इस वर्ष अन्नामलाई विश्वविद्यालय में 6 प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम प्रारम्भ किए गए हैं और ये पाठ्यक्रम 6 भाषाओं में उपलब्ध होंगे जिनमें जीवन मूल्य, सहज राजयोग, आध्यात्मिक परामर्श, सम्पूर्ण स्वास्थ्य हेतु जीवनशैली, समग्र वृद्धि प्रक्रिया तथा तनावमुक्त ब्रोधमुक्त जीवन का समावेश है। यह पाठ्यक्रम शैक्षणिक वर्ष 2019-2020 से शुरू होंगे। इस पाठ्यक्रम का शुभारम्भ दिल्ली के तालकटोरा इंडोर स्टेडियम में आयोजित न्यूबैल समिट कार्यक्रम में विज्ञान और प्रौद्योगिकी, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री डॉ. हर्षवर्धन, दक्षिणी दिल्ली नगर निगम के महापौर नरेंद्र चावला, शिक्षा प्रभाग के अध्यक्ष बीके मृत्युंजय तथा अन्य अतिथियों के द्वारा हुआ। अत्यन्त हर्ष की बात है कि वैल्यू एजुकेशन की सेवायें दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही हैं।



समस्या समाधान

ब्र.कु. सूरज भाई

वरिष्ठ राज्योग प्रशिक्षक

राज्योग संसार की सबसे गुह्यतम विद्याओं में से एक है

अनुभव ही योग में सबसे बड़ा गाइड

राज्योग संसार की सबसे गुह्य विद्या है। जिसमें अगर कोई मनुष्य परफेक्ट हो जाए तो उसे संसार की और विद्यायें प्राप्त करने की आवश्यकताएं न रहें। योग की सूक्ष्मता को कोई भी मनुष्य अपने अनुभवों से ही जाना सकता है। अनुभव ही इस सबजेक्ट में सबसे अच्छे गाइड हैं। यूं तो हम जानते हैं कि योग की परिभाषा भगवान ने एक ही लाइन में दे दी कि अपने को आत्मा समझ मुझ परमात्मा बाप को याद करो। परन्तु इसमें अति गुह्यतम भी है। क्योंकि जिस चीज का महत्व मालूम होता है उस चीज को हम वैल्यु देते हैं। उसके बारे में हम दृढ़ता पूर्वक पुरुषार्थ करते हैं।

योग का सकाश सबसे बड़ा सहयोग

यदि हमारे शरीर में कोई बीमारी लग जाये और हमें महसूस हो जाये कि ये बीमारी हमें बहुत कष्ट देती है तो हम उस बीमारी को ठीक करने में पूरा जोर लगा देते हैं। इसी तरह योग के बारे में भी दो बातें जो कि साकार मूलतयों के महावाक्य हैं दोनों जो बच्चे मुझे आठ घण्टा रोज याद करते हैं। वो मैरे सबसे अधिक सहयोगी हैं। जब तुम योग्युक्त होते हो तो विश्व में शांति की किरणें फैलती हैं। तो बहुत बड़ा सहयोग इस संसार को बदलने में हमारी योगबल का है। और हम बाबा के बहुत सहयोगी हैं। जिन्होंने अपना जीवन समर्पित कर दिया। जिन्होंने अपना सबकुछ तन-मन-धन परमात्मा कार्यों में लगा दिया। वही सबसे बड़ा सहयोगी होंगे। योग का सकाश सबसे बड़ा सहयोग है।

योग से प्रकृति पवित्र बन जाती है

योग अङ्गिन से ही बुराई विनाश की अङ्गिन प्रगट होती है। संसार का शुद्धिकरण होता है। प्रकृति पवित्र बनती है। हम दो मोटी चीजों को देखें प्रकृति में, हवा कितनी दृष्टि है। न जाने हवा के माध्यम से हमारे शरीर में हम सांस लेते हैं। हमारे शरीर में क्या-क्या जा रहा है। बीमारीया फैल रही है। आकाश का यदि चित्र खींचा जाए कि किसी सूक्ष्म माइक्रोस्कोप से तो दिखाई देगा आकाश में गंदी के सिवाय कुछ नहीं है। तीसरी चीज को भी आप जानते हैं पानी। आज अनेक बीमारियां दूषित पानी के कारण हो रही हैं। जो बहुतों को पता नहीं होता। इन तीनों चीजों का प्युरिफिकेशन विनाश काल में हो जायेगा। जिसमें बहुत बड़ी भूमिका होगी हमारी योगबल की। तो हमें श्रेष्ठ योगी बनना है।

अपने संकल्पों से एक-दूसरे को सुख देना होगा

सभी अपने-अपने घरों को भी निर्विघ्न बनाएं। बाबा का एक संकल्प है। वहीं संकल्प हम सबका भी हो जाये। विनाशकाल में इस संसार में इतनी दुःख, अशांति होगी कि कोई साधन मनुष्य को शांत नहीं कर पायेगा। दर्वाईयां, डॉक्टर्स, धन-सम्पत्ति, खान-पीना। मनुष्य के दुःखों को समाप्त नहीं कर पायेगा। ऐसे में हमारे सभी स्थान सभी के घर ऐसे सुन्दर तीर्थ बन जाएं। किसी को अशांति हो उसे पता हो इनके घर में जाकर पन्द्रह मिनट बैठ जाएं। चित्र शांत हो जाएगा। हमारे दुःख समाप्त हो जाएं। ये होने वाला है। और ये सब काम हमें ही करना है। क्योंकि हमारे वायब्रेशन से स्थान के वायब्रेशन को बदलते हैं। हमें बहुत ज्ञान सुनाने की जरूरत नहीं होगी बल्कि हमारी दृष्टि से अपने स्थानों को ऐसा पावरफूल बनाकर अपने श्रेष्ठ भावनाओं से अपनी संकल्पों से हमें दूसरों को सुख देना होगा।

लोग स्वीकार करेंगे दुनिया रहने लायक नहीं रही

संसार की स्थिति दिन प्रतिदिन दैनिय होती जा रही है। अब मानसिक रोग बढ़ रहे हैं। डिप्रेशन बढ़ रहे हैं। नींद की समस्या बढ़ रही है। शारीरिक रोग बढ़ रहे हैं। भयानक स्थिति होती जा रही है। और ऐसा प्रतित हो रहा है कि और आने वाले पांच साल में संसार का हाल और बेहाल हो जायेगा। भगवान का महावाक्य है कि जब संसार का हार व्यक्ति पुकार उठागा कि हे प्रभु! ये संसार रहने लायक नहीं रहा इसे नष्टकर दो। तब फाइल विनाश होगा नहीं तो लोग कहेंगे कि इतनी अच्छी दुनिया हे भगवान! तूने खत्म कर दी। जब सभी स्वीकार कर लेंगे कि ये दुनिया रहने लायक नहीं बची है। तो कोई किसी पर दोष नहीं दे पायेगा। भगवान को भी नहीं कह पायेगा कि तुमने ये क्या कर दिया। सबके मन से एक ही आवाज निकलेगी। बहुत अच्छा किया तुमने। तो हमें योगबल को बढ़ाना है। योगबल संसार का सबसे बड़ा बल। जिसके पास योगबल होगा। अने वाले समय में वहीं विश्व की स्टेज पर होंगे। अने वाले समय में उन आत्माओं के द्वारा सेवाएं होंगी जो अपने को सर्व खजानों से भरपूर किया होगा। ज्ञान लम्बा-चौड़ा सुनाने का मौका नहीं होगा। लोग सुन नहीं पायेंगे। या घ बैठे टीवी से सुन लिया करेंगे। हम योगबल और सर्व खजानों से सम्पन्न स्थिति के द्वारा आत्माओं की सेवा करेंगे। तो स्वयं का योगबल बढ़ाना है। तो संकल्प करें। गीता में श्रीकृष्ण ने अर्जुन को बहुत सारी बातें सुनाकर कहा कि तू योगी बन। योगी ही संसार में सर्वश्रेष्ठ है। योगी तपस्वीयों से भी श्रेष्ठ है।

उपलब्धि... प्रति सोमवार सुबह 11:30 बजे एवं शाम 7 बजे किया जाएगा प्रसारण

रेडियो मधुबन 90.4 एफएम पर बच्चों के लिए 'बचपन एक्सप्रेस' कार्यक्रम शुरू



रेडियो मधुबन द्वारा बच्चों का कार्यक्रम में बात करते एकर।

कार्यक्रम फरवरी और मार्च के प्रति सोमवार सुबह 11:30 बजे एवं शाम 7 बजे प्रसारित किया जायेगा। बच्चा हो या बच्ची अगर स्कूल पढ़ने की उम्र में शादी का पाठ पढ़ाया तो माने जीवन गंवाया, इस सत्यता को रेडियो मधुबन पर विभिन्न गीतों और ड्राम के माध्यम से भी पेश किया जा रहा है। इसके पहले एपिसोड में दानवाव स्कूल की प्रधानाध्यापिका अलका शर्मा जी ने बताया कि 'बचपन में विवाह जीवन भर का एक बोझ बनकर रह जाता है और इसके समाप्त करने के लिए आर्थिक रुद्धियों को टट्टाया जाना आवश्यक है। कार्यक्रम में रेडियो मधुबन से बात करते हुए कुछ बालिकाओं ने विवाह के लिए घर पर हो रही जबरदस्ती के बारे में खुल कर बात की, तो वहाँ किसी ने कहा की बाल विवाह के कारण होने वाली प्रेग्नेंसी में कई बार बच्चियों की मत्तु देखी जाती रही है। आने वाले एपिसोड्स में बचपन एक्सप्रेस पर बाल विवाह से जुड़े कानून और शिक्षा से जुड़े अहम पहलुओं पर बातचीत की जाएगी।

राज्योग के नियमित अभ्यास से बचे रहेंगे हृदय रोग से

शिव आमंत्रण अहमदनगर/महा।

अहमदनगर स्थित साईबन में मधुबन गीता पाठशाला की ओर से हृदयरोग के पेशेंट और उनके परिवार वालों के लिए 'आरोग्यदायी और खुशनुमा जीवन के लिए राज्योग अनुभूति रिट्रीट शिविर' का आयोजन हुआ। विशिष्ट अतिथियों में डिस्ट्रिक्ट हेल्थ ऑफिसर डॉ. संदिप सांगले, जिला आयुष अधिकारी डॉ. दादा साहेब सालुंके, सहायक आयुष अधिकारी डॉ. ज्योति तानुपुरे, पुलिस उपनिरीक्षक विनोद चव्हाण, बीके आशा, बीके उज्जला, नेत्रज्ञ डॉ. प्रकाश कांकिरिया, बीके दीपक हरके द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। सूरज की किरणों के साथ ज्ञान सूर्य साक्षात् परमात्मा की तेजोमय किरणों की मधुर बरसात का अनुभव सभी ने किया। 'भावान हमारा साथी है' इस भाव के साथ प्रसन्नता और खुशी का वायुमंडल बनता गया। प्रकृति और विश्व की सारी आत्माओं को पवित्रता, शांति और प्यार का सकाश दिया गया। मेरा भारत स्वर्णिम भारत लक्ष्य को सामने रखते हुए एक शिवसंदेश रैली भी निकला गई। रैली का समापन प्रतिज्ञा से हुआ। मेरा भारत स्वर्णिम भारत बनाने के लिए जाति, धर्म, पंथ और प्रांत की दिवारों को तोड़कर विश्व एक परिवार है इस भावना से अपनी सोच, बोल और व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाना चाहिए। इसकी प्रतिज्ञा बीके डॉ. सुधा कांकिरिया ने करवाई। 'राज्योग करें, रोग से बचें' हर घर के प्रत्येक सदस्य को राज्योग में डिटेशन सीखना चाहिए। उसे अपने जीवन में शामिल करना चाहिए तो ही इन बीमारियों से बच सकते हैं। भविष्य में आपको हृदयरोग नहीं हो इसलिए आपको इस राज्योग के अभ्यास को निरंतर करते हुए रहना चाहिए। जिला आयुष अधिकारी डॉ. दादा साहेब सांगले ने 'खुशनुमा जीवन-आरोग्यदायी जीवन' विषय पर अपने विचार रखे। पुलिस उपनिरीक्षक विनोद चव्हाण ने 'राज्योग से सामाजिक स्वास्थ्य राष्ट्र का उत्थान' विषय पर मार्गदर्शन किया। बीके डॉ. सुधा कांकिरिया ने शिविर का उद्देश स्पष्ट करते हुए बताया कि राज्योग सभी समस्याओं की मास्टर की है, इसके साथ ही हृदयरोग और राज्योग विषय पर चर्चा की।



सूर्य की किरणों में योग करते हुए सबने ली विश्व एक परिवार की प्रतिज्ञा।

50वां स्वर्णिम वर्ष

दादी हृदयमोहनी द्वारा अव्यक्त पालना के 50 वर्ष पूर्ण होने पर मनाया गया स्वर्णिम वर्ष समारोह



कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ से पथरो प्रसिद्ध गायक बी.के. युगरतन तथा अन्य भाई बहनें।

शिव आमंत्रण छत्तीसगढ़/ग्रा। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा संस्था की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राज्योगिनी दीदी हृदयमोहनी जी के सम्मान में एक कार्यक्रम छत्तीसगढ़ संस्कार धारा प्रांगण में किया गया। दीदी जी सन् 1937 से बाल्यकाल से ही संस्था में समर्पित रूप से सेवाएं प्रदान कर रही हैं। सन् 1937 से 1969 तक ईश्वरीय संदेश एवं प्रारंभिक सेवाओं का कार्य संस्था के संस्थापक प्रजापिता ब्रह्मा बाबा के माध्यम से सम्पन्न हुआ तथा 1969 में प्रजापिता ब्रह्मा बाबा के देहावसान के पश्चात से यही कार्य ईश्वरीय संदेशपत्री के रूप में आदरणीय दादी हृदयमोहनी जी के द्वारा सम्पन्न हो रहा है। ईश्वरीय संदेशवाहक के रूप में दादी जी के 50 वर्ष पूर्ण होने के उपरांत में दिनांक 5 फरवरी को आभार निर्दर्शन अव्यक्त पालना के स्वर्णिम वर्ष समारोह के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भोपाल जोन की सुख्य अध्यक्षा आरणीय राज्योगिनी बीके अवधेश बहन

श्रीमद्भागवत ज्ञानयज्ञ... बीके गीता ने दामायण, महाभारत, गीता में छिपे आध्यात्मिक रहस्यों से कथाया रुबरु पूर्णाहुति पर हवनकुंड में धी-जौ की जगह पर्ची में अपने जीवन की एक बुराई को लिख कर किया स्वाहा

सुबह रोजाना म्यूजिकल एक्सरसाइज के माध्यम से सिर्खाई स्वरूप रहने की कला शिव आमंत्रण ➡ खिलाला/बीना (मप्र)

ब्रह्माकुमारीज संस्थान के खिलाला सेवाकेंद्र की ओर से पांच दिवसीय श्रीमद्भागवत ज्ञानयज्ञ का आयोजन किया गया। इसमें प्रवचनकर्ता बालब्रह्माचारिणी, ब्रह्माकुमारी गीता ने शास्त्रों में छिपे आध्यात्मिक रहस्यों से अवगत कराया। शुभारंभ पर श्रीमद्भागवतजी की विशाल शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें ब्रह्माकुमार भाई-बहनें हाथों में संदेश देती तरिक्यां लेकर शामिल हुए। इससे लोगों को बेटी बच्चों, बेटी पढ़ाओं, स्वच्छता और नशामुक्ति का संदेश दिया गया। वहाँ पुलवामा में शहीद हुए वीर सैनिकों को सभी भाई-बहनों ने दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजली दी। समापन पर हवन कुंड में धी-हवन सामग्री की जगह लोगों से अपने जीवन में व्याप्त बुराइयों को पर्ची में लिखकर स्वाहा किया। किसी ने हवन कुंड में पर्ची में गुरुखा तो किसी ने बीड़ी-सिगरेट से लेकर शराब छोड़ने का संकल्प लिया। कई लोगों ने अपने जीवन में तरकी में बाधक बन रहीं गलत आदतों, संस्कारों को स्वाहा किया।

पहला दिन: आधुनिक महाभारतकाल में कौरव कौन और पांडव कौन? विषय को स्पष्ट करते हुए प्रवचनकर्ता बीके गीता ने कहा कि चार वेद और छह शास्त्रों का सार है कि यदि अपने कर्मों से किसी को सुख देंगे तो सुख मिलेगा और दुःख देंगे तो दुःख मिलेगा। हमारे कर्म ही तय करते हैं कि हम पांडव सेना के हैं या कौरव सेना के। पांडव अर्थात् परमात्मा से प्रीत करने वाले और कौरव अर्थात् काम-क्रोध के वश करने वाले,



अपने कर्मों को सामने रखकर हम खुद तय कर सकते हैं कि हम किस सेना के हैं। जब एक-एक व्यक्ति का चरित्र श्रीराम की तरह बन जाएगा तो इस धरा पर रामराज्य आ जाएगा।

दूसरा दिन: आत्म ज्ञान का बोध को स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा श्रीमद्भागवत गीता में स्पष्ट रूप से लिखा है कि आत्म ज्ञान के बिना परमात्मा से मिलन मनना संभव नहीं है। गीता में आत्मा और परमात्मा के बारे में गहराई से बताया गया है।

तीसरा दिन: परमात्मा का सत्य परिचय बताते हुए कहा कि सभी वेदों का सार यही है कि परमात्मा शिव एक है। वह सभी देवों के भी देव और विश्व की सभी मनुष्यात्माओं के परमपिता परमेश्वर हैं। दुनिया के जितने भी धर्म हैं सभी में उस परम सत्ता, परम ज्योति, पारब्रह्म परमेश्वर परमात्मा को ही सर्वोच्च माना गया है। परमात्मा शिव त्रिवेद ब्रह्म, विष्णु, शक्ति के भी रचयिता त्रिमूर्ति, 33 हजार देवी-देवताओं के भी पिता हैं।

चौथा दिन: सुष्ठि के आदि-मध्य-अंत का रहस्य बताते हुए कहा इस सुष्ठि के आदि में यह दुनिया सत्युगी थी, जहाँ दूध-धी की नदियां बहती थीं। सर्वत्र सुख-शांति, आनंद और प्रेम था। देवी-

देवताओं का निवास था और सर्वगुण संपन्न थे। संतान भी योगबल से पैदा होते थे। कर्म बंधन में आते आत्मा के गुण और शक्तियां क्षीण होती गईं।

पांचवां दिन: यदि रामजी को मानते हैं तो रामजी का अर्थात् सात्विक भोजन करें और गवण को मानते हैं तो तामसिक भोजन करें। अपना पूरा जीवन ही रामायण हो अर्थात् राम के समान आचरण करने वाला। सत्युग-त्रेता और द्वापरयुग में हमारे पूर्वज देवी-देवता सात्विक भोजन करते थे इसलिए वहाँ विचार पवित्र, श्रेष्ठ और महान थे। इंदौर से पधरे अंतरास्त्रीय मोटिवेशनल स्पीकर व बिहेवियर साइंस्टिस्ट डॉ. अजय शुक्ला ने कहा इन पांच दिनों में बीके गीता दीदी ने जो अमूल्य बातें बताई हैं उसे आत्मसात करेंगे तो जीवन बदल जाएगा। इस दौरान बीना सेवाकेंद्र प्रभारी बीके सरोज, खुरई की प्रभारी बीके किरण, खिलाला सेवाकेंद्र प्रभारी बीके जानकी, राहतगढ़ सेवाकेंद्र प्रभारी बीके नीलम, बीके शिवानी, बीके सरस्वती, विद्यायक महेश राय, जनपद सदस्य इंद्रसिंह ठाकुर, मजदूर संघ जिलाध्यक्ष सुशील सिरोठिया ने दीप प्रज्ञवलित कर शुभारंभ किया।

जन्म-जन्म जिसकी तलाश थी वह आ गया है: नारायण

शिव आमंत्रण ➡ राजिन/छत्तीसगढ़। कुंभ मेले में संस्थान के धार्मिक प्रभाग के राष्ट्रीय कार्यकारी सदस्य बीके नारायण ने अपने विचार रखते हुए कहा, कि विश्व में सभी को सुख, शांति, आनंद की तलाश है उसका आधार ज्ञान है और ज्ञान देने वाला ज्ञान दाता निराकार परमपिता परमात्मा शिव है। इस ज्ञान के आधार से हम हर समय अपने आपको खुश व शांत रख सकते हैं। हमारे दिल को आराम देने के लिए परमात्मा शिव इस धरा पर अवतरित हो चुके हैं। छत्तीसगढ़ के राजिम में प्रतिवर्ष महाशिवारात्रि के पर्व पर राजिम कुंभ मेले का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष इस पावन पर्व के उपलक्ष्य में महानदी, पेरी, सोन्दू इन तीनों नदियों के संगम स्थल पर यह आयोजन हुआ। मेला 19 फरवरी से 4 मार्च तक चला। बीके नारायण ने बताया, कि अब वह सुनहरी घड़ियां हम सभी की नज़रों के सामने हैं क्योंकि परमात्मा शिव वर्तमान समय कलयुग और सत्ययुग के संगम पर प्रजापिता ब्रह्मा बाबा के माध्यम से हम सब मनुष्य आत्माओं को जन्म जन्म की प्राप्ति का सुख, शांति का वर्षा दे रहे हैं। शिव के आगमन से नई दुनिया का आगमन निश्चित है उस परमात्मा शिव के अवतरण का यह संदेश सभी आत्माओं तक पहुंच रहा है और हर आत्मा सुख, शांति, पवित्रता का वर्षा ले रही है। वर्तमान समय हम परिवर्तन काल से गुजर रहे हैं जब कलियुग की समसि और सत्ययुग का आंभ होता है। इसी संगम पर परमात्मा अवतरित होते हैं और इसी स्वर्णिम वेला में परमात्मा शिव और आत्माओं का मिलन होता है। इसी मिलन के स्वरूप का यादगार पूरे विश्व भर में शिव जयंती मनाई जाती है।



धर्मस्व मंत्री ताम्रध्वज साहू को बीके नारायण शील्ड प्रदान करते हुए।

हमारी यही शुभ आशा है कि आये हुए लोग परमात्मा शिव को पहचान कर उनसे जन्म-जन्म की आस को पूर्ण करें।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. चरण दास महानं, धर्मस्व पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री ताम्रध्वज साहू आचार्य महामंडेश्वर अग्नि पीठाधीश्वर श्रीराम कृष्णनंद महाराज, अमरकटक, बीके पुष्पा एवम् अनेक संत, महात्मा, विद्यायक उपस्थित थे।

सामाजिक सरोकार

राजकोट गुजरात सेवाकेंद्र का आयोजन

शिव आमंत्रण ➡ राजकोट/गुजरात। मेहुलनगर सेवाकेंद्र के वार्षिक उत्सव और राजकोट के गोल्ड जुबली समारोह के मौके पर गुजरात के राजकोट में स्वास्थ्य संबंधित लाभ देने का प्रयास किया गया। मेहुलनगर सेवाकेंद्र पर निःशुल्क सर्व रोग निदान कैप का आयोजन कर सैकड़ों लोगों के स्वास्थ्य की न सिर्फ जांच की गई बल्कि उन्हें निःशुल्क दवाईयां भी वितरित की गईं। इस निःशुल्क कैप का उद्घाटन करने पहुंची डिटी मेरार अश्विन मोलिया ने कहा, कि हम सभी को शारीरिक योग और राजयोग के अभ्यास द्वारा तन तथा मन को स्वस्थ बनाना चाहिए।



वहीं राजकोट सबजोन की संचालिका बीके भारती ने कहा, कि भारत कर्म प्रधान देश है और हम सभी को श्रेष्ठ कर्म करना चाहिए जिसके लिए श्रेष्ठ संकल्प करना जरूरी है। इस दौरान फिजिशियन डॉ. मिलन घोणिया, डॉ. तुशार व्यास, डॉ. कश्यप, डॉ. हितेश पटेल, डॉ. महेश चावडा समेत अनेक चिकित्सकों ने लगभग 600 लोगों के स्वास्थ्य की जांच की और उन्हें दवाईयां निःशुल्क उपलब्ध कराई शिविर के दौरान अतिथियों को बीके भारती ने राजकोट की गोल्ड जुबली के उपलक्ष्य में मोमेंटो बैंटकर सम्मानित किया। इस अवसर पर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके चेतना समेत कई विशेष लोग मौजूद रहे।

मैसूर की प्रभारी बीके लक्ष्मी का सम्मान



मैसूर की प्रभारी बीके लक्ष्मी का सम्मान करते कृषि सेमिनार के आयोजक

शिव आमंत्रण ➡ गैरियू। कृषि सेमिनार में मैसूर की प्रभारी बीके लक्ष्मी को मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया गया, जहाँ उन्होंने किसान को देश की रीढ़ की हड्डी बताते हुए उन्हें आन्तरिक रूप से सशक्त बनने की सलाह दी। इस सेमिनार के अंत में बीके लक्ष्मी का सम्मान भी किया गया।

आध्यात्मिक ज्ञान से ही संभव है जीवन में सच्ची खुशी



बीके बीना का शॉल ओढ़ाकर सम्मान करते रोटरी क्लब सदस्य।

शिव आमंत्रण ➡ चेन्नई। चेन्नई ट्रेड सेन्टर के कंवेंशन सेन्टर में रोटरी इंटरनेशनल द्वारा आर.आई डिस्ट्रिक्ट 3160 की 35वीं डिस्ट्रिक्ट कॉफ्नेस आयोजित की गई, जिसमें ब्रह्माकुमारीज मुख्य रूप से आमंत्रित हुए। इस अवसर पर मौजूद 1500 रोटरी क्लब मेम्बर्स को तमिलनाडु जोन की सर्विस कॉर्डिनेटर बीके बीना ने 'खुशी के अनुभव' विषय पर सम्बोधित किया और कहा, कि आध्यात्मिक ज्ञान द्वारा ही जीवन में सच्ची खुशी प्राप्त की जा सकती है।

शहीद जवानों को बीके भाई-बहनों ने दी श्रद्धांजली



पुलवामा के शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करते बीके भाई-बहनें

शिव आमंत्रण ➡ नई दिल्ली। पुलवामा में आतंकवादी हमले में हुए शहीद फौजी जवानों को ब्रह्माकुमारीज नई दिल्ली, इन्द्रपुरी द्वारा भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। इस मौजूद पर सेन्टर इंचार्ज बीके बाला ने सभी को देश रक्षक फौजी भाईयों के बलिदान और देश के प्रति समर्पण का महत्व बताते हुए कहा, कि हम सभी भी विश्व के साथ-साथ यज्ञ रक्षक भी हैं और माया के तूफान कई रूपों में हमारे सामने आते हैं जिसका हमें सावधानी से और फौजी भाईयों की ही तरह डट कर सामना करना चाहिए। साथ में बीके गायत्री और बीके अभिनव भी शामिल रहे।

आत्मिक दृष्टि से ही समाज वसुधैव कुटुंबकम् कहलाएगा



सर्व धर्म सम्मेलन में सभा को संबोधित करती बीके जयंती।

शिव आमंत्रण ➡ इंदौर। समाज में सद्भाव बनाने हेतु इस्लामिक पजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी द्वारा आयोजित सर्व धर्म सम्मेलन को स

सार समाचार

पूर्वी दिल्ली में निकाली शिवदर्शन प्रभात फेरी



दिलशाद गार्डन सेवाजे न्द्र द्वारा निज़ली प्रभात फेरी में शामिल बीड़े भाई-बहनें।

शिव आमंत्रण ➡ पूर्वी दिल्ली। जन-जन को परमपिता परमात्मा शिव के अवतरण का संदेश देने के उद्देश्य से राजधानी दिल्ली में दिलशाद गार्डन के शांति सदन सेवाकेन्द्र द्वारा शिवध्यजारोहण कर प्रभात फेरी निकाली गई। ये फेरी दिलशाद गार्डन सेवाकेन्द्र से होते हुए विवेक विहार की गीता पाठशाला में जाकर समाप्त हुई। जहाँ आई सर्जन डॉ. मूल चंद, ईस्ट दिल्ली कांसपोरेशन हास्पिटल की चीफ मेडिकल ऑफिसर डॉ. संध्या, दिलशाद गार्डन सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके इंद्रा मुख्य रूप से मौजूद थी। प्रातः काल निकाली गई इस रैली में सदस्यों ने बैनर एवं शिवध्यज लेकर स्थानीय लोगों को ईश्वरीय संदेश दिया, जिसके पश्चात् विवेक विहार गीता पाठशाला में मौजूद संस्था के वरिष्ठ सदस्यों ने सभी को शिवरात्रि से पूर्व अपने जीवन में महान परिवर्तन करने का संकल्प लेते हुए सच्ची शिवजयंती मनाने का आह्वान किया। इस दैरान में बच्चों के द्वारा कुछ प्रस्तुतियाँ दी गईं, वहाँ बीके बहनों ने केक कटिंग कर सभी को बधाई दी।

108 गांवों में शिव संदेश देने का संकल्प



शिव आमंत्रण ➡ छत्तीरपुर/मग्ना। इस वर्ष महाशिवरात्रि पर्व पर 108 गांवों में जाकर जन-जन को परमात्मा अवतरण का दिव्य संदेश देने का संकल्प लिया है। इसके अंतर्गत पहला कार्यक्रम ग्राम गौरारी में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत प्रभात फेरी से हुई जिसमें ग्राम वासी बड़ी संख्या में शामिल हुए तथा यह फेरी ग्राम के प्रमुख मार्गों से होते हुए कार्यक्रम स्थल तक पहुंची। बीके शैलजा ने उपस्थित सभा के शिवरात्रि पर्व का आध्यात्मिक रहस्य सुनाते हुए बताया, कि शिवरात्रि पर भक्त परंपरागत रूप से शिव की प्रतिमा पर बरे, अक, धूतूरा आदि जहरीली सामग्री चढ़ाते हैं जो कि प्रतीकात्मक है। यह मनुष्य के अंदर वैर भाव, ईर्ष्या, निन्दा, छल, कपट, बदले की भावना इत्यादि बुराईयों का प्रतीक है। उन्होंने बताया, कि वर्तमान समय कल्याण के प्रभाव के कारण हर मनुष्य इन बुराईयों से घिर हुआ है इसलिए आज परिवारिक झगड़े, सामाजिक मतभेद, भ्रष्टाचार, आतंकवाद इत्यादि अपनी चरम सीमा पर है तथा अब हमें इन सभी बुराईयों को परमात्मा शिव पर भेंट चढ़ाकर सच्ची शिवरात्रि मनानी है। कार्यक्रम का उद्देश स्पष्ट करते हुए उन्होंने बताया, कि महाशिवरात्रि का यह कार्यक्रम एक अभियान के रूप चलाया जाएगा जिसका लक्ष्य जिले के 108 गांवों में जाकर ग्रामीणों को स्वच्छता और व्यसन मुक्ति के लिए जागरूक करना एवं ईश्वरीय संदेश देकर लोगों को दुर्ख-अशानि से मुक्त करना है।

नवापारा में महाआरती का आयोजन



शिव आमंत्रण ➡ राजिम/छत्तीसगढ़। नवापारा में 15 दिनों तक चलने वाले राजिम पुनर्निमेले में ब्रह्माकुमारीज्ञ आमंत्रित हुए, इस मेले में महानदी संगम पर छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा हर शाम नदी पर्यावरण व संरक्षण हेतु गंगा आरती की गई, जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर संस्था के धार्मिक प्रभाग के राष्ट्रीय कार्यकारी सदस्य बीके नारायण एवं राजिम क्षेत्र की प्रभारी बीके पुष्पा विशेष रूप से शामिल हुई और महाआरती की। इस अवसर पर बीके पुष्पा ने आध्यात्मिकता की शक्ति से प्रकृति, वर्णों का संरक्षण व पोषण करने के लिए परमात्मा के द्वारा सिखाए जा रहे राजयोग का प्रयोग करने की बात कही।

समाचार

ब्रह्माकुमारीज्ञ टिकिरापारा में योग प्रशिक्षकों का किया सम्मान, संभाग के 5 ज़िलों से पहुंचे 250 योग प्रशिक्षक योग की जानकारी सबको देना ही योगियों का मुख्य कर्तव्य : संजय अग्रवाल



योग प्रशिक्षक कार्यक्रम में बोलते संजय अग्रवाल एवं उपस्थित योग प्रशिक्षक। साथ टिकिरापारा सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके मंजू।

शिव आमंत्रण ➡ विलासपुर। नीतियाँ बदल सकती हैं किन्तु एक योगी का पथ कभी नहीं बदल सकता इसलिए कभी भी उदास होकर अपने को कमज़ोर न समझें। योग का बल इतना प्रबल होता है कि एक साधारण व्यक्ति भी असाधारण कार्य करने की क्षमता रखता है। इस क्षेत्र में अनेक संसाधारण कार्य कर रही हैं। भले ही वे अपने स्तर पर कार्य कर रही हों पहनु लक्ष्य एवं विचार सभी के एक ही हैं। ये बातें संभाग स्तरीय योग जागरण यात्रा में शामिल योग्यात्रियों के सम्मान समारोह के लिए ब्रह्माकुमारीज्ञ टिकिरापारा में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित योग प्रशिक्षकों को संबोधित करते हुए छत्तीसगढ़ योग अयोग के पूर्व अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने कहा। अपने बताया, कि हम ज्यादातर वस्तुएं ज़रूरत के कारण नहीं बल्कि आकर्षण के कारण खरीद लेते हैं जो सालों साल आलमारियों में खो रही रहती हैं और जो वस्तुएं स्थिर होती हैं उनमें नकारात्मक ऊर्जा होती हैं। आज ज्यादातर हम भोजन के समय टीवी और मोबाइल की दुनिया में कहीं और खोए होते हैं और अपनी दिनचर्याएं को खाब कर दिया है, हमारे शरीर के पांच तत्वों में एक भी तत्व असंतुलित हो तो शरीर रोगस्त हो जाता है। अग्नि तत्व बढ़ने से वात बढ़ता है, जल तत्व बढ़ने से कफ बढ़ता है, दोनों बढ़ने से पित

बढ़ता है और तीनों बिगड़ जाएं तो रक्तदोष हो जाता है जिससे फिर शरीर में रोग आ जाता है और खुशियाँ समाप्त हो जाती हैं। आज घर में धन, संपदा, ऐश्वर्य तो है किन्तु आपसी तालमेल नहीं है, चेहरे की खुशी गायब है। हम बाहर के लोगों से तो हांसकर बात करते हैं किन्तु घर में आते ही तनाव में आ जाते हैं। इसलिए रात्रि भोजन भी टीवी के मोबाइल बद करके घर के सभी सदस्यों के साथ मिलकर करें। लोगों को योग की जानकारी देना ही हम सभी योगियों का मुख्य कर्तव्य व सबसे बड़ा सहयोग है। गायत्री परिवार के प्रमुख सी.पी. सिंह ने कहा, कि मनुष्य जीवन श्रेष्ठ जीवन है। स्वयं के कल्पणा के साथ लोक कल्पणा भी करना है तब मनुष्य में देवत्व का उदय हो सकता है। रायपुर से पथरी महिला पतंजलि की प्रदेश प्रभारी गंगा अग्रवाल ने कहा, कि प्रतिदिन एक घण्टा योग्यात्मा ज़रूर करें। कार्यक्रम में अटल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. जी.डी. शर्मा, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सदस्य डॉ. रवि श्रीनिवास एवं शरद बल्लाल, रेलवे अधिकारी पी.एन. खत्री, महाराष्ट्र मण्डल के अध्यक्ष प्रकाश शितृत, गुजराती समाज के सक्रिय सदस्य नटवर सोनभाटा एवं गोपाल ककड़, नगर के गणमान्य नागरिक एवं संभाग के 5 ज़िलों से पथरों लगभग 500 योग प्रशिक्षक उपस्थित हुए।

सकारात्मक विचारों से मिलती है जीवन में सफलता

शिव आमंत्रण ➡ गोपियाबाद/उप। सकारात्मक विचारों के ज़रिये कैसे सफलता की सीढ़ियों तक पहुंचा जा सकता है, इसे एक कार्यशाला में विशेषज्ञों ने विभिन्न वैज्ञानिक तकनीक के ज़रिये विद्यार्थियों को समझाया। उन्हें विभिन्न मुद्राओं की वैज्ञानिक विधियों के ज़रिये नकारात्मक विचारों को दिलों दिमाग से बाहर निकाल फेंकने की तरकीबें बताईं। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा, कि रोजाना जो कुछ भी आप करें, ध्यान लगाने के बाद उन पर विचार करें। आप सोचें कि आज आपने क्या क्या सकारात्मक विचार आपके दिमाग में आये? आप जब इन बातों के विचारों को जानेने लगेंगे तो पाएंगे कि आपके भीतर सकारात्मक ऊर्जा का अर्जन हो रहा है। आपके भीतर एक ठहराव



पाथवे ऑफ सक्सेस कार्यशाला में उपस्थित छात्र तथा बीके यीशु

आ रहा है। आप निश्चिन्ता की ओर बढ़ने लगे उपाय है, जो आपको हमेशा सफलता की है। बस यही जीवन को स्थिर करने का थोस सीढ़ियों तक पहुंचाएगा।

नागपुरवासियों को सिखाई तनाव प्रबंधन की योग कला



तनाव प्रबंधन की कला सिखाए बीके शक्तिराज एवं योग का अनुभव करते लोग।

शिव आमंत्रण ➡ नागपुर। महाराष्ट्र की उपराजधानी और संतरों की नगरी नागपुर के रहिवासियों को खुशियों की नई सौगत मिली है। जामठा स्थित विश्व शांति सरोवर में हाल ही में वाह जिदगी वाह

- खुशियों का बिग बाजार विषय के तहत त्रिदिवसीय शिविर का आयोजन हुआ। शिविर को अंतर्राष्ट्रीय ट्रेनर एवं मोटिवेशनल वक्ता मुख्यालय माउंट आबू से पथरों बीके शक्तिराज



सिंह ने मार्गदर्शित किया। शिविर में मेनेजरेंट, तनाव प्रबंधन की कला और राजयोग मेडिटेशन समेत स्वस्थ जीवन हेतु उपयोगी अन्य व्यवहारिक बातों की जानकारी दी गई। वही मन की शक्ति द्वारा सिरदर्द, डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, एस्पिडिटी, अस्थमा आदि रोगों पर विजय पाने की विधि भी समझाई गई। शिविर के समापन सत्र में प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किए।

‘गॉड ऑफ गॉड्स’ फिल्म में एक दृश्य का अवलोकन करते धर्मगुरु

‘गॉड ऑफ गॉड्स’ फिल्म का दिल्ली से शुभारंभ



‘गॉड ऑफ गॉड्स’ का राष्ट्रीय शुभारंभ करते अतिथि।

शिव आमन्त्रण ► नई दिल्ली। महाशिवात्रि के उपलक्ष्य पर ब्रह्माकुमारी संस्था के फिल्म डिवीजन द्वारा निर्मित ‘गॉड ऑफ गॉड्स’ देवों के भगवान फिल्म का राष्ट्रीय शुभारंभ आज स्थानीय ओडियन सिनेमाघर में हुआ। विभिन्न धर्म सम्प्रदाय के नेताओं ने सम्मिलित रूप में दीप प्रज्वलन कर इस फिल्म का शुभारंभ करने के पश्चात इस फिल्म का स्क्रीनिंग एवं मैटियाप्रीवू भी उसी सिनेमा घर में हुआ। ‘ईश्वर भक्ति से देश भक्ति की ओर एक यात्रा’ मर्म पर आधारित एवं मानवीय मूल्यों और धार्मिक एकता का संदेश देने वाली यह डेढ़ घण्टे की यह फिल्म को सभी नेताओं ने सराहा और समर्पण देश तथा विदेशों में अनेक भाषाओं में इसे प्रदर्शित करने के लिए आग्रह किया। जैन धर्मगुरु आचार्य डॉ लोकेश मुनी ने कहा कि यह फिल्म जब हम एक ही ईश्वर को, एक ही लाईट को जान जायेंगे तो एकता, भाईचारे, सदभाव, प्रेम व शार्नन्ति का स्वप्न साकार होगा। यह स्वार्थ से उठकर परार्थ, परमार्थ की ले जाने व धर्म हमें तोड़ना नहीं जोड़ना सिखाता है संदेश देती है। इस अवसर पर अपने व्यक्तव्य में लोकेश मुनि ने पाकिस्तान सेना के बंदी विंग कमांडर अभिनंदन की तुंत रिहा के लिए पाकिस्तान के ऊपर दबाव डालने तथा सभी एक हाकर ईश्वर से प्रार्थना करने के लिए सभी धर्म के नेताओं को और देशवासियों को अपील की। उन्होंने कहा की सभी मनुष्य आत्माओं के परमपिता एक निराकार परमात्मा ही है, इसी संदेश को फैलाने वाली यह फिल्म सभी धर्मों को और समग्र विश्व को एकत के सूख में बाधने की क्षमता रखती है। भारत में बहाई धर्म के नेशनल ट्रस्टी डॉ. एक मर्चेन्ट ने कहा कि यह फिल्म लोगों में विशेषकर युवा पीढ़ी को शिक्षित करने व समझाने के लिए कि सभी धर्मों को संदेश एक है कि परमात्मा एक है। उन्होंने ब्रह्माकुमारी संस्था एवं फिल्म के निर्माता द्वारा किये गये प्रयासों की सराहना की। महाशक्तिपीठ के स्वामी सर्वानन्द सरस्वती जी ने कहा कि यह फिल्म सनातन धर्म व फिल्मसकी के बिल्कुल समीप लाकर व भ्रातियों को दूर करने तथा आज के समय के लिए उपयोगी, आचरणीय एवं शान्ति और ईश्वर की प्राप्ति का साधन है।

दिल्ली के रामलीला मैदान में सामूहिक योग कार्यक्रम आयोजित

शिव आमन्त्रण ► दिल्ली। दिल्ली के शालीमार बाग स्थित रामलीला मैदान में विशाल पैमाने पर आयोजित सामूहिक राजयोग कार्य में सम्पन्न हुआ। संस्थान के अतिरिक्त महासचिव बीके बृजमोहन, ओम शांति रिट्रीट सेन्टर की निदेशिका बीके आशा, पीस ऑफ माइंड चैनल के सीडीएम् बीके रवि समेत कई बीके सदस्यों द्वारा शिवधर्जाराहन कर कार्यक्रम का आगज हुआ। वही रैली निकालकर सभी को शांति का सन्देश दिया गया। इस मैर्के पर हिमांशु आर्ट इंस्टीट्यूशन और ब्रह्माकुमारिज के संयुक्त प्रयास से मेरी जिन्दगी का लक्ष विषय के तहत स्पॉट पैंटिंग प्रतियोगिता आयोजित हुई जिसमें विजेता बच्चों को प्रमाणपत्र भी भेट किये गए।

पहल

लोगों ने बढ़-चढ़कर लिया भाग



शालीमार बाग योग कार्यक्रम के तहत निकाली गई शोभायात्रा एवं राजयोग के लिए उपस्थित बीके भाई बहनें।

ब्रह्माकुमारीज सेवाकेन्द्र द्वारा मेगा ब्लड डोनेशन कैम्प का आयोजन



शिव आमन्त्रण ► राजकोट। राजकोट के रविरला पार्क सेवाकेन्द्र द्वारा सोमेश्वर महादेव मंदिर में मेगा ब्लड डोनेशन कैम्प का आयोजन हुआ, जिसका शुभारंभ एम.डी.फिल्मशियन डॉ. कमल पारिक, किंडनी स्पेशलिस्ट डॉ. मयूर मक्शाना, रविरला पार्क सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके नलिनी, पंचशील सेवाकेन्द्र से आई वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके अंजू ने दीप



जलाकर किया। इस दौरान आए हुए मेहमानों ने रक्त दान करने का महत्व बताया, वहीं दूसरी ओर कई लोगों ने रक्त दान कर औरों की जिन्दगी को बचाने का महान कार्य किया।

सूचना

सामाजिक सेवाओं तथा आतिक साधारितकरण के प्रयास के साथ निकाला गया माधिका शिव आमन्त्रण समाचार पत्र एक संपूर्ण अखबार है। इसमें आप सभी पाठकों का लगातार सहायोग निल रहा है,

गयी हजारी तात्काल
गारिक मूल्य □ 110 रुपए
तीन वर्ष □ 330
आजीवन □ 2500 रुपए

पत्र व्यवहार का पता

संपादक □ ब्र.कु. कोनल
ब्रह्माकुमारीज शिव आमन्त्रण ऑफिस,
शांतिवन, आबू रोड, जिला-सिरोही,
राजस्थान, पिन कोड- 307510
मो □ 9414172596, 9413384884
Email □ shivamantran@bkv.org
□ amantran.bihar@gmail.com

इंटरनेशनल संस्करण की शुरुआत

गॉडलीवुड स्टूडियो प्रतिदिन नया आयाम तय कर रहा है। यह स्थानीय भाषाओं को लेकर ही हा हर वर्ग को बेहतरी के लिए। गॉडलीवुड स्टूडियो में अब नालेज आफ लाईट इंटरनेशनल एपिसोड प्रारंभ हुआ है। जिसमें विटेंडे के संस्था से जड़ सी प्रतिलिप्त वर्गाओं ने इसमें अपना योगदान दिया है। अब तक सौ ज्यादा एपिसोड रिकॉर्ड किये जा चुके हैं। यह अत्येक भाषा में है। जिससे पर्याप्त देशों के लोगों के लिए उनकी समस्याओं को सुलझाने में मदद करेगा। लक्ष समय से इसकी जगह महसूस की जा रही थी। यह प्रयास दंग लाया। अब ओम शांति पैनल तथा अन्य गांधीजी द्वारा नीले लोगों तक पहुंचाने का प्रयास किया जायेगा।



क्रमांक:.....



स्व प्रबंधन

बीके ऊषा, स्व प्रबंधन विशेषज्ञ, माउंट आबू

एक और सत्य घटना भी हमें याद आती है

“एक बार एक भाई की कार एक्सीडेंट हो गया और उसमें उसके दोनों पैरों में क्वच हो गए और वह हॉस्पिटल में था। जैसे ही हमें पता चला तो हम उनको मिलने लिए हॉस्पिटल गये। हमने उस भाई से कहा ‘भगवान को याद करो सब ठीक हो जायेगा।’ यह सुनते ही उस भाई को बहुत बुरा है, मेरे साथ भगवान ने ऐसा क्यों किया? वह कहने लगा, ‘बहनजी, मैंने कभी किसी का बुरा नहीं किया फिर भगवान ने ऐसा क्यों किया? हमें बड़ा आश्र्य लग रहा था क्योंकि यह शब्द किसी नासिक के नहीं थे। भगवान में आस्था खनने वाले के मुख से ऐसे शब्द निकल रहे थे। इस घटना से उसकी भगवान में आस्था हिल गई थी और वह बड़ा दुःखी हो रहा था। आखिर हमें महसूस होने लगा कि जितना ज्यादा देर यहाँ खड़े रहने उतना इस भाई का गुस्सा बढ़ता जायेगा तो बेहतर है कि हम बाहर चले जाएँ। धीरे-धीरे करके हम बाहर जाने लगे तो उस भाई की पत्नी ने हमें देखा और वह तुरन्त बाहर आकर हमसे माफी मांगने लगी और कहने लगी कि ‘हम उनके पति की बातों का बुरा न मानें और इस समय उनकी मानसिक स्थिति को समझने का प्रयत्न करें।’ हमने उनको पुछा कि ‘ऐसी क्या बात है जो एक एक्सीडेंट में सिर्फ फ्रैक्चर ही हो जाएगा?’ तब उसकी पत्नी ने बताया कि उसके पास लाइन्स या रोटरी कलब के गवर्नर थे और हमेशा समाज में बहुत अच्छे-अच्छे कार्य करते थे। हर जरूरतमंद की मदद करते थे लैकिन अब उनका कार्य-काल समाप्त हो रहा था और उन्होंने विदेश में किसी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में जाना था और जहाँ उन्हें एवार्ड देकर सम्मानित किया जाना था, लैकिन दस दिन पहले उनका एक्सीडेंट हो गया और जाहिर है कि दस दिन के अंदर तो वह ठीक होकर जा नहीं सकते हैं। वह सोचते थे कि उस सम्मेलन में दुनिया भर के बड़े-बड़े लोगों के बीच इतना सम्मान मिलना था, लैकिन अब कुछ भी नहीं मिलेगा इतनके दुःखों हो रहा था और बार-बार यहीं कह रहे थे कि भगवान ने मेरे साथ ही ऐसा क्यों किया? उसके मन में यह बात थी कि मैंने जो कर्म किया उसका फल लेने का समय आया तो भगवान ने मेरे हाथ से फल क्यों छीन लिया। हमारे सामने किसी ने उसे कहा कि देखो भाई कोई पूर्व कर्म का फल भी तो भोगना चाहता है तब उसने कहा कि देखो पूर्व कर्म के फल की कहाँ मना है। परन्तु वहाँ से वापस आने के बाद भगवान फल देता। हम तो वहाँ से चले गये परन्तु आठ-दस दिन के बाद भगवान ने मुझे एक एवार्ड दिया है, जो एक नया जीवनदान दिया है.....

जीवन में जो होता अच्छा ही होता है

हम परमात्मा प्रसाद लेकर अस्पताल पहुंचे तो वह भाई और उसकी पत्नी दोनों बहुत खुश नजर आ रहे थे। हमें देखकर उस भाई ने कहा आओ बहन जी आओ, देखो भगवान जो करता है वह अच्छा ही होता है।’ मुझे फिर आश्र्य हुआ तब उन्होंने मुझे अखबार उठाकर दिखाया कि जिस हवाई जहाज में वह जाने वाला था वह बीच में ही किसी तकनीक खराबी की वजह से दुर्घटना घट्ट हो गया है। उसमें सवार सारे यात्री मरे गये। अब वह अच्छी-अच्छी बातें करने लगे कि ‘होनी तो मेरे सामने आनी ही थी लैकिन भगवान ने उसे सुलौटी से कांटा कर दिया। सिर्फ दो ही फैक्चर हुए और वह भी था वह भी थोड़े दिनों में ठीक हो जायेंगे। उसको बाद कहने लगा कि ‘सचमुच आज मुझे ऐसा महसूस हो रहा है कि जैसे भगवान ने मुझे सबसे बड़ा एवार्ड दिया है, जो एक नया जीवनदान दिया है.....

हमेशा सकारात्मक दृष्टिकोण रखें

जब वह भाई इतनी अच्छी बातें कर रहा था तो उसकी पत्नी ने कहा अगर यह ज्ञान दस दिन पहले आ गया होता था तो कितना अच्छा होता, मेरे जीवन के कितनी गाली दी होगी और जो भी आता था और उसने भी अगर भगवान का नाम लिया तो उनके साथ भी संबन्ध खराब होने जैसा व्यवहार करता था, फिर मुझे एक-एक को बाहर ले जाकर हाथ जोड़कर माफी मांगनी पड़ती थी। उस बहन ने कहा, बहनजी, मैंने अपने कर्मों के लिए इतनी माफी किसी से नहीं मांगी जितना इसके कर्म के लिए मांगनी पड़ी, तो यह ज्ञान पहले क्यों नहीं आता? मैंने उस बहन से कहा ‘बहनजी समय का शुक्र मानो कि समय ने दस दिन में परदा खोल दिया कि इस घटना में क्या अच्छा समाया हुआ था, कभी-कभी जीवन किसी घटना का परदा समय एक साल के बाद खोलता है कि उसमें क्या अच्छा समाया हुआ होता है, तब हाल कैसा जाता, और एक साल बाद जब सच्चाई सामने आती है कहते हैं कि अच्छा हुआ था, ऐसा नहीं होता तो पता नहीं आज क्या हो जाना था।’ इसलिए कर्म से कर्म जब कोई घटना आती है तो पहले ही सकारात्मक दृष्टिकोण जीवन में अपनायें कि ‘जो हुआ वह अच्छा, फिर कोई भी घटना हमें दुःखी, परेशान या अफसोस नहीं कर सकेगी

४ मुंबई के एक सभागार में आशीर्वचन देने के पश्चात 103 वर्षीय दादी जानकी...

जब आपसी मतभेद समाप्त होगा, तभी एक-दूसरे में स्नेह-सौहार्द बढ़ेगा: बीके कमलेश

शिव आमंत्रण ► हृष्टुआगंज/उप्र। शिव जयंती महोत्सव के शुभारंभ पर पुलवामा हमले में शहीद हुए जवानों को सभी बीके भाई-बहनों ने श्रद्धांजलि देते हुए उनकी आत्मा की शति की कामना की। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि भारत का रक्षक भगवान है। अब समय आ गया है कि सरकार समाधान के लिए ब्रह्माकुमारीज जैसे संस्थान से भी विचार-विमर्श करे इससे सबके लिए कल्याणकारी समाधान निकाला जा सकता है।

इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी कमलेश बहन ने शिव का ध्वज फहराया तथा ईश्वरीय ज्ञान



103वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में महाराष्ट्र जोन का आयोजन, पुणे विद्यापीठ ने दिया अवार्ड।



शिव जयंती महोत्सव में शहीदों को दी श्रद्धांजलि



शिवजयंती के मौके पर अनेक भाई-बहनों के साथ पुलिस कर्मचारी भी शामिल होते हुए।

किसान मेला एवं ज्ञान संगोष्ठी आयोजित



यौगिक खेती पर नाटक कर किसानों को प्रेरित करते कलाकार।

शिव आमंत्रण ► हृष्टुआगंज/उप्र। शिवजयंती किसान भाई अपने खेत में बहुत मेहनत करते हैं। खाद बीज आदि अच्छे से अच्छा डालते हैं। इसमें एक बात और एड कर लीजिए कि सुबह शाम अपने खेत पर जाकर कुछ देर परमात्मा की याद में बैठिए। परमात्मा से योग की क्रियाएं लेकर अपनी फसल को दीजिए तो आपकी पैदावार अधिक भी होगी तथा पौष्टिक भी होगी। अनेक बीमारियों से भी फसल की रक्षा हो जाएगी। ब्रह्माकुमार सत्य प्रकाश ने जनपद अलीगढ़ में हो रही शाश्वत यौगिक खेती का उदाहरण देते हुए बताया कि यह एक ऐसी विधि है जिसके द्वारा बहुत कम खर्च में अधिक पैदावार ली जा सकती है। ब्रह्माकुमारी मीनू ने गीतों के माध्यम से शाश्वत यौगिक खेती विषय पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर परमात्म ज्ञान द्वारा शांति और खुशी विषय पर स्टाल भी लगाई गई जिसका अवलोकन मंडलायुक्त अलीगढ़ अजय दीप सिंह आईएस ने किया तथा बहुत उपयोगी बताया। मंडलायुक्त अजय दीप सिंह आईएस ने शाश्वत यौगिक खेती को बहुत उपयोगी बताया तथा इसे अपनाने का किसानों को सुझाव दिया। इस अवसर पर प्रकृति की पुकार नाटक का मंचन किया गया जिसे देखकर उपस्थित कृषकों ने वृक्षों का महत्व समझा। आयुक्त अलीगढ़ मंडल अजय दीप सिंह, आई ए एस, डीडी एग्रीकल्चर, राजेश कुमार, ब्रह्माकुमारी कमलेश, ब्रह्माकुमार सत्यप्रकाश, ब्रह्माकुमारी मीनू, कृषि वैज्ञानिकगण।

सागर में शिव जयंती महोत्सव धूमधाम से मनाया



शिव आमंत्रण ► सागर/गोप। ब्रह्माकुमारी सेवाकेंद्र पर 83वीं शिव जयंती महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान नगर में शिव संदेश यात्रा निकाली गई। इसमें बुराइयों को प्रतीक बनाकर लोगों को व्यसन मुक्त बनाने, जीवन में अच्छाई धारण करने का संदेश दिया गया। सेवाकेंद्र संचालिका बीके छाया ने शिव ध्वज फहराकर महोत्सव की शुरुआत की। इसके अलावा सागर के गौरज्ञामर सेवाकेंद्र, राहतगढ़, केसली, बंडा, मालथौन, गौरतंग जैसे गीतापाठशालाओं पर शिवध्वज फहराया गया।

मैसूर में 18 फीट ऊंचा महाशिवलिंग बनाया



शिवलिंग का उद्घाटन करते हुए सुतुर पीठाधीश्वर, चुनानागिरि पीठाधीश्वर तथा पूर्व विधायक वस आदि एवं उपस्थित लोग।

शिव आमंत्रण ► मैसूर। कर्नाटक के मैसूर में ब्रह्माकुमारीज द्वारा 18 फीट ऊंचा महाशिवलिंग बनाया गया है और वह सुतुर श्री शिवानिश्वरा शिवयोगी के जतरा जबली सेलिब्रेशन्स में लगाया गया। इस शिवलिंग को 1 लाख एल.ई.डी द्वारा सजाए जाने पर वंडर ब्रुक ऑफ रिकॉर्ड में भी दर्ज किया जा चुका है। इस मौके पर सुतुर पीठाधीश्वर, चुनानागिरि पीठाधीश्वर तथा पूर्व विधायक वसु, बीके प्रभामणि समेत अन्य अतिथियों ने महाशिवलिंग दर्शन का दीप प्रज्वलन एवं रिबन काटकर शुभारंभ किया जिसका लाखों लोगों ने अवलोकन कर परमात्मा शिव का सत्य परिचय प्राप्त किया।

ब्रह्माकुमारीज के मुख्यालय शांतिवन आबू रोड में 21 दिवसीय फेस्टिवल आयोजित फेस्टिवल में एक लाख से अधिक लोगों ने जाने हेल्थ-वेल्थ और हैप्पीनेस के जाने राज



जन-जन की आवाज़ रेडियो मधुबन द्वारा यह कार्यक्रम प्रसारित किया जायेगा।

शिव आमंत्रण आबू रोड ब्रह्माकुमारीज संस्था के सोशल एक्टीविटी ग्रुप द्वारा संस्था के शांतिवन में 21 दिवसीय हेल्थ, वेल्थ, हैप्पीनेस आध्यात्मिक मेला का आयोजन किया गया। मेले में एक लाख से अधिक लोगों ने पहुंचकर जीवन में हेल्थ-वेल्थ और हैप्पीनेस के राज जाने। इसके उद्घाटन पर ब्रह्माकुमारीज संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जीवनी ने कहा कि यह आध्यात्मिक मेला व्यक्ति को नर से नारायण बनायेगा। इसका अवलोकन प्रत्येक व्यक्ति करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही जो ग्रामीणों को जैविक, यौगिक खेती, जल संवर्धन और नशामुक्ति का प्रशिक्षण दिया जा रहा है वह सराहनीय है। इससे आस पास के लोगों को इसके प्रति जागरूकता आयेगी। परमात्मा का दर्शन और स्वर्गिक दुनिया निश्चित तौर पर लोगों को आकर्षित करने वाली है। कार्यक्रम में आबू रंगदर विधायक जगसीराम कोली ने कहा कि यह संस्थान लगातार लोगों की बेहतरी के लिए प्रयास कर रहा है। जो जन जन में ईश्वरीय संदेश के साथ सरकारी मुहिम को आगे बढ़ाने में मदद की है उससे शिवरात्रि महोत्सव का मेला सार्थक हो गया। आबू पिण्डवाडा विधायक समाराम गरासिया ने कहा कि 15 दिनों तक यह संस्थान पूरे गौव गौव में जाकर लोगों का पानी, बिजली, खेती, स्वच्छता और नशामुक्ति का अभियान चलाया है वह बहुत ही लाभकारी होगा। इस अवसर पर संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रत्नमेहिनी ने कहा कि यह स्वर्गिक दुनिया निश्चित तौर पर लोगों को लुभा रही है। यही आने वाली दुनिया होगी जिसमें हमें चलना है। इसलिए हमें अभी से अपने जीवन में मूल्यों को धारण करने का प्रयास करना चाहिए। यह उसका लाईव चित्रण है। कार्यक्रम में संस्था के सूचना निदेशक बीके करुणा ने कहा कि आस पास के लोगों के लिए इस बार शिवरात्रि पर ऐसा अनोखा मेला सौगत के रूप में मिला है जो जीवन बदलने वाला है। समारोह में शांतिवन के प्रबन्धक बीके भूपला तथा नगरपालिका चेयरमैन सुरेश सिंदल ने कहा कि शहर को साफ सुथरा रखने में इस संस्थान ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसलिए यह मेला भी निश्चित तौर पर लोगों के लिए उपयोगी होगा। इस मौके पर संस्थान की कोषाधिकारी ईशू दादी, सोशल एक्टीविटी ग्रुप के अध्यक्ष बीके भरत, शिवरात्रि के उपप्रमुख उमेश छंगाणी, साइटिस्ट एवं इंजिनियरिंग के बीके मोहन सिंघल, बीके अवतार ने भी अपने अपने विचार व्यक्त किये। इस कार्यक्रम में बीके मोहन, बीके भानू, बीके रामसुख मिश्रा, अनुप सिंह, बीके सचिन, बीके देव, बीके कोमल, बीके अमरदीप, बीके जीतू, बीके चन्दा, बीके कृष्णा, बीके धूपा समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे। ये लोग स्टॉल: जैविक यौगिक खेती, जल संवर्धन, स्वच्छ स्वस्थ भारत, नशामुक्ति, वैल्यू गेम, 4डी शो, खुशियों का बिंग बाजार, सतयुग राजदरबार लगाया गया था।



मदोही

योग से समस्या समाधान कार्यक्रम में बीके सूरज के उद्घार...

जीवन में जो घटित हो रहा है उसे अंतर्मन से स्वीकार करें



कार्यक्रम का आगाज करते हुब बीके सूरज भाई, बीके रूपेश, समाजसेवी अब्दुल हादी और अन्य अतिथि।

शिव आमंत्रण मदोही। पुलवामा में शहीद हुए जवानों को सभी भाई-बहनों ने मौन में खड़े होकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद शैलेजा ने नृत्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में बीके गीता बहन ने कहा कि अपनी सोच बदले इस संबंध में प्रधानमंत्री का यादगार संस्मरण सुनाया की उन्होंने कहा कि चरे बाली आयी है तो उनकी मां ने कहा कि कि वो सफाई बाली है करे बाले तो हम हैं। ब्रह्माकुमारीज द्वारा योग से

शांति की तलाश कर रहा है। जबकि सुख और शांति का शाश्वत स्रोत तो परमात्मा है। उसकी याद में बैठने से हमें स्वतः ही सुख और शांति की अनुभूति होने लगती है। राजयोग का अभ्यास हमारे मन की शक्ति बढ़ाता है इसलिए हमें प्रतिदिन अपने लिए आधा घंटा समय निकालकर राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास करना चाहिए। इससे हमारे जीवन में सकारात्मक बदलाव आता है।

ब्रह्माकुमारीज विश्व शांति भवन भदोही के मेडिटेशन हाल में माउंट आबू से पधारे हुए आदरणीय राजयोगी बी के सूरज भाई जी ने अमृतबेले सुबह 3.30 से 4.45 का योग कराया। आदरणीय भाई जी ने आत्मा को परमपिता परमात्मा की सर्व शक्तियां प्रेम, पवित्रता, सुख, शांति, शक्ति, ज्ञान, आनंद से भरपूर कर दिया, फिर इन शक्तियों को सारे विश्व में फैलाकर सर्व विश्व की आत्माओं के सुख शांति और समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर भदोही सेवाकेन्द्र पर सैकड़ों की संख्या में लोग अमृतबेले पहुंचे और स्वयं को भरपूर किया। इस अवसर पर भदोही के बीधायक रवींद्र नाथ त्रिपाठी, समाज सेवी अब्दुल हादी, माउंट आबू से पधारे हुए मुख्य अतिथि आदरणीय बी के सूरज भाई, बी के रूपेश भाई, बी के गीता बहन, भदोही सेवाकेन्द्र प्रभारी बी के विजयलक्ष्मी दीदी उपस्थित रहे। भौतिकता की चक्रांती ने मानव मन को इतना दूषित कर दिया है वह इन साधनों में ही सुख और

नई राहें

उत्सव के रूप में मनाएं 'परीक्षा परिणाम'



बीके पुष्टेज

अप्रैल में ज्यादातर कक्षाओं के परीक्षा परिणाम आ जाते हैं। ऐसे में कम नंबर आने या परीक्षा में अनुत्तीर्ण होने पर कई विद्यार्थी निराश और अवसाद में डूब जाते हैं। कई बच्चों के मन में घोर निराशा छा जाती है। ऐसी स्थिति में माता-पिता का दायित्व और बढ़ जाता है। चांकि विद्यार्थी जीवन की कठिन परिस्थितियों से अनभिज्ञ होते हैं ऐसे में वह परीक्षा परिणाम को ही जीवन मान लेते हैं। माता-पिता और बड़े भाई-बहनों को चाहिए कि वह बच्चों को समझाएं कि किसी एक परीक्षा में असफल होना जीवन नहीं है। उनका हौसला बढ़ाते हुए उन्हें ये एहसास कराएं कि जीवन के हर मोड़ पर हम सभी आके साथ खड़े हैं। यदि इस बार असफल हो भी गए तो कोई बात नहीं है। सफलता-असफलता जीवन के दो पहलू हैं। दुनिया में जितने महापुरुष हुए हैं या जिन्होंने महान कार्य किए हैं उन्होंने भी अपने जीवन में असफलता का स्वाद चखा है। दुख-दर्द सहन करते हुए लोगों का तिरस्कार सहा है। लेकिन जीवन इससे अमूल्य, आपको आगे बढ़ना है।



किसी दिवा से कम नहीं है सकारात्मक मोटिवेशन...

बच्चों को समझाएं कि सबसे बड़ी सफलता है जीवन को मूल्यों और सिद्धांतों के साथ जीना। असफलता से ज्यादा ये मायने रखता है कि हमने सफलता के लिए कितनी ईमानदारी के साथ प्रयास किया है। जरूरी नहीं है कि परीक्षा में कम नंबर आए तो आप कमज़ोर हो। आप परमात्मा पिता की प्रिय संतान हो, आपको जीवन में महान कार्य करना है। परीक्षा परिणाम यदि बच्चे के मन मुआफिक नहीं भी आया है तो उसे यह एहसास नहीं होने दें कि आप उससे नाराज हैं। बच्चोंके ऐसी स्थिति में बच्चा पहले से ही डरा और सहमा हुआ होता है। ऊपर से अभिभावकों की नाराजी से उसका दर्द और बढ़ जाता है। बच्चे के परीक्षा परिणाम को उत्सव के रूप में मनाएं। ताकि भविष्य के लिए वह तैयार हो सके कि माता-पिता सफलता और असफलता में मेरे साथ हैं। आज घरों में बच्चों को सबसे ज्यादा अपनों के सकारात्मक मोटिवेशन की ज़रूरत है। मोटिवेशन बच्चों के लिए किसी दिवा से कम नहीं होता है। बच्चे सबसे ज्यादा बड़ों को फैलो या कॉपी करते हैं। ऐसे में हमारा आचरण सभ्य, सुसंस्कृत और मर्यादा के अनुकूल हो। उन्हें कोई भी निर्देश देने के पहले वह बात हमारे जीवन में भी हो। बच्चों के सामने हताशा या निराशा भरी बातों से बचें। घर का माहौल जितना सकारात्मक व उत्साह भरा होगा वैसा ही बच्चे सीखते हैं।

सम्मानजनक व्यवहार करें...

देखने आता है कि कई अभिभावक ज्यादातर समय अपने बच्चे को बुद्धि, नालायक, शैतान जैसे शब्दों से पुकारते हैं। मनोविज्ञान के मुताबिक यदि कोई शब्द हम 20-25 बार सुनते हैं तो वह हमारे अंतर्मन में चला जाता है। जो बात हमारे अंतर्मन में सेवे हो जाती है फिर वैसे ही हमारे मन में विचार आते हैं और उसी तरह हमारे कर्म होते जाते हैं। जब आप किसी बच्चे को दिन में कई बार बुद्धि कहें तो एक दिन वह भी मान लेगा कि मैं बुद्धि हूं। मुझमें अन्य बच्चों की अपेक्षा कम बुद्धि है, मेरा दिमाग कमज़ोर है। परीक्षा में मेरे अच्छे नंबर नहीं आ सकते हैं। हमारे एक-एक शब्द का बच्चों के मन पर गहरा प्रभाव पड़ता है, इसलिए शब्द रूपी बाण चुने हुए हों। बच्चों को हौसला और हिम्मत देने वाले हों, न कि उन्हें गिराने वाल।

हर बच्चा अपने आप में अनोखा है...

इस दुनिया में प्रत्येक बच्चा अपने आप में विशिष्ट, अनोखा और उत्कृष्ट है। क्योंकि प्रत्येक आत्मा अपने साथ पूर्व जन्म के संस्कार और आदतें लेकर आता है। इसलिए कभी भी अपने बच्चे की तुलना न करें। उसमें जो खूबी है वह अन्य में नहीं हो सकती है। यही कारण है कि प्रत्येक बच्चे की पसंद-नापसंद और रुचि अलग-अलग होती है। हमारे साथ जीवन में जो भी घटता है सभी में कुछ न कुछ कल्पाण समाया होता है। गीता में परमात्मा ने कहा है कि जो हुआ अच्छा हुआ, जो हो रहा है अच्छा हो रहा है और जो होने वाला है वह बहुत ही अच्छा है। तुम्हारा क्या था जो दुख-दर्द करते हो। ये सभी जो इन अंखों से देखते हो सब यहीं रह जाएगा।

५ थाईलैंड में मोरल अवार्ड से सम्मानित...

बीके ऊषा और बीके विजय को मोरल अवार्ड से नवाजा

शिव आमंत्रण नखोन पथोन/थाईलैंड। थाईलैंड की नखोन पथोन गजाबृद्ध यूनिवर्सिटी द्वारा आई.सी.ए.सी के आर्ट एण्ड कल्चर नेटवर्क की ९वें अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान ब्रह्माकुमारीज संस्थान की वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके ऊषा को मोरल अवार्ड २०१९ से नवाजा गया। ये अवार्ड खुद फिलीपीन्स की राजकुमारी मारिया अमोर तथा कम्बोडिया की राजकुमारी एवं क्लीन मदर ऑफ घाना ने थाईलैंड के टॉप गवर्नमेंट ऑफिशियल्स की मौजूदगी में दिया। मोरल अवार्ड समेत पीस मेडल तथा सर्टिफिकेट ऑफ एप्रिसिएशन से भी बीके ऊषा को सम्मानित किया गया। इस मौके पर उनके साथ नेपाल के राजयोग प्रशिक्षक बीके विजय भी वहां मौजूद थे,



जिहें नेपाल में किए गए मानवीय कार्यों के लिए मोरल अवार्ड का सम्मान दिया गया। इस अवसर पर ४० से अधिक देशों के कार्मिकों को समाज

में उनके द्वारा किए गए नैतिक भलाई एवं पुण्य कार्य के लिए अवार्ड से सम्मानित किया गया था। इस दौरान बीके ऊषा ने विभिन्न देशों के बौद्ध भिक्षुओं की एक समूह बैठक में भी भाग लिया, जहाँ उन्होंने भिक्षुओं के मुद्दों और समस्याओं पर चर्चा की। आज हाँ कोई खुशी की तलाश कर रहा है और आध्यात्मिकता ही ऐसा माध्यम है जिसके अभ्यास से सच्ची खुशी को प्राप्त किया जा सकता है। राजयोग मेडिटेशन द्वारा परमपिता परमात्मा से संबंध रखते हुए विभिन्न उपलब्धियां प्राप्त करने की एक तकनीक है। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने ब्रह्माकुमारीज के विभिन्न प्रभागों द्वारा हर क्षेत्र के लोगों के लिए की जा रही ईश्वरीय सेवाओं से भी अवगत कराया।



थाईलैंड में मोरल अवार्ड प्राप्त करने के पश्चात ग्रुप के साथ बीके ऊषा एवं बीके विजय।

हॉलीवुड स्टूडियो में ब्रह्माकुमारीज के गीत की रिकॉर्डिंग हुई



बीके हरमन कौर कैलिफोर्निया के हॉलीवुड कैपिटल स्टूडियो में प्रस्तुति देते

शिव आमंत्रण कैलिफोर्निया। ब्रह्माकुमारीज संस्थान के गॉडलीवुड स्टूडियो द्वारा रीजनल कल्चर को लेके विभिन्न भाषाओं में कार्य म बनाए जाते हैं, इसमें विविध भाषाओं में ११०० से अधिक गीत बनाए जा चुके हैं। जिसमें वेस्टर्न स्यूजिक पर आधारित अंग्रेजी गीतों को भी बनाने की शुरुआत की गई है। इसी के चलते ऑस्ट्रेलिया की बीके हरमन कौर द्वारा वेस्टर्न स्यूजिक पर आधारित गीत 'पिलर टू द मून' का निर्माण कैलिफोर्निया में हॉलीवुड के कैपिटल स्टूडियो में किया गया है जो कि संस्थान के लिए गौरव की बात है। ब्रह्माकुमारीज संस्थान के इतिहास में ये पहली बार है जब संस्थान के किसी गीत की रिकॉर्डिंग दुनिया की श्रेष्ठ चित्र निर्माण भूमि अमेरिका में की गई हो। अपने प्रभावशाली और अत्याधिक रिकॉर्डिंग उपकरणों तथा जाने-माने कलाकारों में फ्रैंक सिनात्रा, नेट किंग कोल, डीन मार्टिन, बारबरा स्ट्रिंसैंड, पॉल मैककार्टनी और बीच बॉयज के प्रभावशाली लाइन-अप के लिए विश्व प्रसिद्ध हैं। अन्तर्राष्ट्रीय दर्शकों और ग्लोबल बीके परिवार के लिए प्रस्तुत ये गीत ऑस्ट्रेलिया की बीके हरमन द्वारा लिखित, रचित हैं और गाया गया है। इस गीत को कैपिटल स्टूडियो द्वारा अरेंज, मिक्स और मास्टर किया गया, वहीं गॉडलीवुड स्टूडियो में इस गीत की एडिंग और फिलिंग की गई है।

अचीविंग सक्सेस लीडिंग कार्यक्रम



कार्यक्रम में बीके परिवार के साथ बीके चालीं तथा अन्य।

शिव आमंत्रण सिंगापुर। ऑस्ट्रेलिया में ब्रह्माकुमारीज के डायरेक्टर बीके चालीं ५ दिवसीय प्रवास पर सिंगापुर पहुंचे जहाँ स्थानीय बीके मेकर्स ने उनका हार्दिक स्वागत किया। उनके आगमन पर ब्रह्माकुमारीज के सम्पर्क में रहने वाले लोगों के लिए बेदोक के सिंगापुर सिलट फेडरेशन में एक इवेंट आयोजित हुआ, जिसमें ५०० से अधिक लोगों ने सहभागिता की। इस आयोजन में परिवारों के वरिष्ठ सदस्यों से लेकर नन्हे बच्चों ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की, जहाँ उन्हें बीके चालीं ने अचीविंग सक्सेस लीडिंग विषय के तहत जीवन जीने के कई प्रेरणादायी टिप्प दिए। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज की ओर से भोजन की व्यवस्था भी प्रदान की गई थी जिसकी तैयारी में सिंगापुर में ब्रह्माकुमारीज की नेशनल कॉर्डिनेटर बीके भारती समेत प्रयोक सदस्य का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इसी 'म में मेडिटेशन, माइंड फूलनेस विषय के अन्तर्गत आयोजित पब्लिक कार्य म में सैकड़ों लोगों को बीके चालीं ने अपने व्यक्तिगत जीवन के अनुभवों से लाभान्वित किया। अगे सिटी बैंक समेत अन्य स्थानों में भी कार्य म आयोजित किए गए।

आयोजन

नेपाल के दाङ जिले में तुलसीपुर सेवाकेंद्र के २५ वर्ष पूर्ण

रजत जयंती पर आध्यात्मिक समागम संपन्न

शिव आमंत्रण तुलसीपुर। नेपाल के दाङ जिले में तुलसीपुर ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र को २५ वर्ष पूर्ण होने पर आध्यात्मिक समागम आयोजित हुआ। दीप प्रज्वलन द्वारा शुभारम्भ हुए इस रजत जयंती समारोह में मुख्य अतिथि संसद सभामुख कृष्णबहादुर महरा ने अपने विचार रखे। बीके सदस्यों में पश्चिम नेपाल की निदेशिका बीके परिणीता, बीके गीता तो वही अन्य अतिथियों में न्यायाधीश शिवनारायण यादव, उपमहानगरपालिका का मेयर घनश्याम पाण्डे भी मौजूद रहे। समारोह की शुरुआत जहाँ सांस्कृतिक नृत्य से हुई वही शिवध्वज लेकर बीके सदस्यों द्वारा शोभायात्रा भी निकाली गई।



रजत जयंती समारोह में सम्मानित वरिष्ठ भाइ-बहने।

(सार समाचार)

सकारात्मक विचारों से होगा श्रेष्ठ भाव्य निर्माण



शिव आमंत्रण देनपसार। इंडोनेशिया में बाली की राजधानी देनपसार में बिल्डर्स और कान्ट्रेकर्ट के स्टाफ के लिए गेट ट्रोदर होटल निर्मला के बौलरुम में आयोजित हुआ। इस अवसर पर इंडोनेशिया में ब्रह्माकुमारीज की नेशनल कॉर्डिनेटर बीके जानकी ने मैनेजिंग इनर एनर्जी विषय पर सभी को सम्बोधित किया और जीवन को सरल बनाने के लिए सकारात्मक विचारों से श्रेष्ठ भाव्य, मेडिटेशन द्वारा तनाव की समाप्ति समेत अन्य कई मुख्य बिन्दुओं पर विशेष प्रकाश डाला। इस अवसर पर बड़ुए में कन्स्ट्रक्शन ग्रुप गयेन्सी के हेड आई मेड सुजाना समेत उनका स्टाफ मुख्य रूप से मौजूद रहा।

नई परियोजना गार्डन-लाइक सिटी' लॉन्च



शिव आमंत्रण सेंट पीटर्सबर्ग। रूस के सेंट पीटर्सबर्ग स्थित लाइटहाउस में एक नई परियोजना 'गार्डन-लाइक सिटी' लॉन्च की गई। विशेष महिलाओं के लिए समर्पित इस परियोजना को शहर की सरकार की सामाजिक नीति और महिलाओं के गठबंधन समिति द्वारा समर्थन दिया गया है। इस मौके पर रशिया में सेंट पीटर्सबर्ग की निदेशिका बीके संतोष, महाभारत का रूसी अनुवाद करने वाले इंडोलाइजिस्ट प्रो. यारोस्लाव वासिलिकोव, सेंट पीटर्सबर्ग में आर्मेनियन ऑटोनोमी के वाईस चेयरपर्सन नुने एस्ट्रोवा समेत गई गणमान्य अतिथि मुख्य रूप से मौजूद थे। इस मौके पर बीके संतोष ने इस ब्रह्मांड का मूल नियम परस्पर निर्भरता को बताते हुए, परियोजना की जानकारी दी।

स्कूली बच्चों को बताए राजयोग के लाभ



शिव आमंत्रण बाली। बाली की राजधानी देनपसार के थियोलीना एफएम और पिल प्रिंट के कर्मचारियों के नेतृत्व में एक स्थानीय प्रकाशन कंपनी द्वारा लगभग ६० स्कूली बच्चों को युवा लेखक बनने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस मौके पर विद्यार्थियों को संबोधित करने के लिए विशेष तौर पर आमंत्रित इंडोनेशिया में ब्रह्माकुमारीज की नेशनल कॉर्डिनेटर बीके जानकी ने अपने उद्योग में राजयोग द्वारा होने वाले लाभों की जानकारी देते हुए जीवन में सदैव नवीनता लाने की बात कही।

अपने कर्म क्षेत्र पर सदा रखें करुणा का भाव



शिव आमंत्रण न्यूयार्क/यूसू। न्यूयार्क यूएस में रखा गया ब्रह्माकुमारीज का एक कार्यक्रम में सबको दिया गया परमात्म संदेश। जहाँ अपने कर्म क्षेत्र पर सदा करुणा एवं दया का भाव बनाये रखें का संदेश दिया गया। इस तरह के भाव रखने से हमारे अंदर देवताई गुण हमेशा बरकरार रहता है।

Postal Regd. No. RJ/SRO/9662/2018-20, Licensed to Post without pre-payment No. RJ/WR/WPP/18/2018

Posted at Shantivan P.O. Dt. 18 to 20 of Each Month